दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 218
मुरादाबाद
(Sunday)
30 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भाईचारा ही हमारी परंपरा, झगड़ा करना हमारे देश का स्वभाव नहीं, संघ प्रमुख मोहन भागवत का बयान

संघ प्रमुख ने कहा, हमारी किसी के साथ बहस नहीं होती। हम विवादों से दूर रहते हैं। झगड़ा करना हमारे देश का स्वभाव ही नहीं है। मिल-जुलकर रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना ही हमारी परंपरा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि झगड़ा या विवाद करना हमारे देश का स्वभाव नहीं है और भाईचारा और सामूहिक सद्भाव हमेशा से भारत की परंपरा रहा है। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान मोहन भागवत ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का विचार बुनियादी तौर पर पश्चिमी विचार से अलग है। झगड़ा करना हमारे देश का स्वभाव नहीं

संघ प्रमुख ने कहा %हमारी किसी के साथ बहस नहीं होती। हम विवादों से दूर रहते हैं। झगड़ा करना हमारे देश का स्वभाव ही नहीं है। मिल-जुलकर रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना ही हमारी परंपरा रहा है। भागवत ने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षों से भरे हालात में बने। वहां जब एक राय बन जाती है तो उसके अलावा हर विचार को अस्वीकार कर दिया जाता है। वे दूसरे के विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और इसे ...इज्म कहना शुरू कर देते हैं।मोहन भागवत ने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का विचार बुनियादी तौर पर पश्चिमी व्याख्या से अलग है। उन्होंने कहा %वे (पश्चिमी देश) राष्ट्र को लेकर हमारे विचारों को नहीं

समझते। इसलिए उन्होंने इसे राष्ट्रवाद कहना शुरू कर दिया, लेकिन हमारा राष्ट्र का विचार पश्चिम के विचार से अलग है। ये एक देश है या नहीं... हमारे बीच इसे लेकर कोई मतभेद नहीं हैं। हम मानते हैं कि ये एक राष्ट्र है, जो प्राचीन समय से मौजूद है। भागवत ने कहा, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं। देश को लेकर बहुत ज्यादा गर्व दो विश्वयुद्ध करा चुका है, इसलिए कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं। भारत का राष्ट्रीयता का बोध गर्व और अहंकार से नहीं निकला बल्कि गहन आत्मचिंतन और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व से निकला है। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरूरत नहीं संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जो भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। भागवत ने हिंदू को सिर्फ एक धार्मिक नहीं बल्कि सभ्यतागत पहचान बताया। उन्होंने कहा कि भारत और हिंदू एक ही हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है, इसकी सभ्यता पहले से ही इसे जाहिर करती है। हिंदू सिर्फ धार्मिक शब्द नहीं बल्कि एक सभ्यतागत पहचान है, जो हजारों साल की सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत और हिंदू पर्यायवाची हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र होने के लिए किसी आधिकारिक घोषणा की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

थापरनगर में सईद ने खरीदा मकान, हिंदू संगठन के हंगामे पर पुलिस ने डाला ताला, तो आया हार्ट अटैक

थापरनगर में केवल हिंदू रहते हैं और वे नहीं चाहते कि यहां किसी मुस्लिम को मकान दिया जाए। सईद अहमद ने तीन दिन पहले मकान खरीदा था। स्थानीय लोगों और हिंदू संगठन के सचिन सिरोही ने हंगामा किया तो पुलिस ने मकान खाली करवा कर ताला डाल दिया।थापरनगर में सईद अहमद के मकान खरीदने के विरोध में हिंदू संगठन और स्थानीय लोगों ने सदर थाने में हंगामा कर दिया। पुलिस से मांग की, कि सईद अहमद से मकान का बैनामा दोबारा से किसी हिंदू के नाम कराया जाए। सभी लोग थाने में दरी बिछाकर बैठ गए। पुलिस ने सईद अहमद को थाने बुलाया तो उन्हें हार्ट अटैक आ गया। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।सदर थाने में हंगामा करते हुए अमरजीत सिंह, हरमीत सिंह, राजेश जुनेजा, सचिन डालडा, अमित हरजीत, पवन, ऋषभ आदि ने बताया कि जलीकोठी निवासी सईद अहमद ने अनुभव कालरा से थापरनगर में लगभग एक करोड़ रुपए में मकान खरीदा था। पांच दिन पूर्व मकान की रजिस्ट्री होने के बाद सईद अहमद अपने परिवार के साथ मकान में आकर रहने लगा। शुक्रवार को कॉलोनी वासियों व हिंदू संगठन को मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सईद के मकान पर ताला लगवाकर चाबी अपने पास रख ली थी। दोनों पक्षों को शनिवार को थाने बुलाया गया था।

लव जिहाद जैसे शब्दों पर मौलाना महमूद मदनी ने जताई आपत्ति, सुप्रीम कोर्ट पर की विवादित टिप्पणी

भोपाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की बैठक में मौलाना महमूद मदनी ने 'जिहाद' शब्द के दुरुपयोग और मुसलमानों के खिलाफ बढ़ती नकारात्मक धारणाओं पर कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील माहौल में किसी भी समुदाय को निराशा की ओर धकेलना देश के लिए हानिकारक है।भोपाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग बॉडी मीटिंग में इस्लामी विद्वान मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद जैसी इस्लाम की पवित्र अवधारणा को दुर्व्यवहार, अव्यवस्था और हिंसा से जुड़े शब्दों में बदल दिया है। लव जिहाद, भूमि जिहाद शिक्षा जिहाद और थूक जिहाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके मुसलमानों को गहरी ठेस पहुचाई गई है। इससे धर्म का अपमान होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार और मीडिया में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने में कोई शर्म महसूस नहीं करते है।एक विशेष समुदाय को जबरन निशाना बनाया जा रहा%- इस्लामी विद्वान मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि देश की वर्तमान स्थिति अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक है। दु:ख की बात है कि एक विशेष समुदाय को जबरन निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अन्य समुदायों को कानूनी रूप से शक्तिहीन, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से अपमानित किया जा रहा है। भीड़ द्वारा हत्या, बुलडोजर कार्रवाई, वक्फ संपत्तियों पर कब्जा और धार्मिक मदरसों व सुधारों के विरुद्ध नकारात्मक अभियान जैसे व्यवस्थित और संगठित प्रयास उनके धर्म, पहचान और अस्तित्व को कमजोर करने के लिए किए जा रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर भी किया जा रहा है, और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। अगर हम इस पर कड़ी नज़र रखें, तो हम निराशा से बच सकते हैं, क्योंकि निराशा किसी भी समुदाय के लिए जहर है और अगर कोई समुदाय जीवित है, तो इससे बचने की और भी ज्यादा जरूरत है।मुसलमानों के अनुकूल लगभग 10 फीसदी लोग हैं, जो अलग-अलग वजहों से हमारे पक्ष में हैं। इसी तरह लगभग 30 फीसदी लोग समुदाय के विरोध में हैं, जबकि एक अनुमान के अनुसार 60 फीसदी लोग ऐसे हैं जो न हमारे अनुकूल हैं और न ही विरोध में। यह जो खामोश बहुमत है, उसे फिरका-परस्त लोग अपनी ओर झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। मदनी ने कहा कि यदि यह वर्ग उनके प्रभाव में आ गया, तो यह देश और मुसलमानों दोनों के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी होगी। उन्होंने कहा कि यदि हम चाहते हैं कि फिरकापरस्त तत्व कामयाब न हों, तो समुदाय को मानवता की चिंता करने वाला रवैया अपनाना होगा और अपनी प्रतिनिधिक सोच पर नियंत्रण रखना होगा। मुसलमान अपने ओहदे को पहचानें, दूसरों के साथ बेहतर रिश्ते स्थापित करें, एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करें और साथ ही दूसरों को दीन-इस्लाम की सच्चाई से अवगत कराएँ।

62 की उम्र में दोबारा दूल्हा बने ऑस्ट्रेलियाई पीएम, 16 साल छोटी दुल्हन संग रचाई अल्बनीज ने शादी

ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने दोबारा शादी रचाई है।

इस पद पर रहते हुए शादी करने वाले वे ऑस्ट्रेलिया के पहले प्रधानमंत्री बने हैं। यह शादी करीब एक साल बाद हुई, जब अल्बनीज ने 2024 में वैलेंटाइन डे पर जोडी हेडन के सामने प्रस्ताव रखा था। दोनों ने अपने खुद के लिखे वचन पढ़े और सिविल अधिकारी ने विवाह की औपचारिकताएं पूरी कराईं।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शनिवार को अपनी लंबे समय से साथी रहीं जोडी हेडन से शादी कर ली। इसके

साथ ही वे देश के इतिहास में ऐसे पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्होंने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान शादी किया। 62 वर्षीय अल्बनीज और 46 वर्षीय हेडन ने राजधानी कैनबरा स्थित प्रधानमंत्री आवास द लॉज के बगीचे में एक निजी समारोह में शादी की। शादी के बाद बोले अल्बनीज- हम बहुत खुश हैं- इस समारोह में सिर्फ परिवार के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त शामिल थे। शादी के बाद जारी बयान में अल्बनीज ने कहा, हम बहुत खुश हैं। अपने परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में हमने साथ रहने का वादा किया है।

सोशल मीडिया पर साझा की शादी की झलक- ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज ने सोशल मीडिया एक्स पर सिर्फ एक शब्द- विवाहित - लिखकर अपनी शादी की झलक साझा की। वीडियो में वे बो-टाई सूट में दिखाई दिए, जबकि हेडन सफेद शादी के गाउन में मुस्कुराती नजर आईं। जैसे ही दोनों ने हाथ पकड़ा, उन पर कंफेटी बरसी।पांच दिन तक ऑस्ट्रेलिया में ही मनाएंगे हनीमून- प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि दंपति सोमवार से शुक्रवार तक ऑस्ट्रेलिया में ही हनीमून मनाएंगे और इस दौरान होने वाले सभी खर्चे वे खुद वहन करेंगे। एंथनी अल्बनीज की यह दूसरी शादी है। वे 2019 में अपनी पहली पत्नी से अलग हुए थे और उनके बेटे का नाम नाथन है। उन्होंने जोडी हेडन से लगभग पांच साल पहले मेलबर्न में एक व्यावसायिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात की थी।

ऐसा बंगाल के लोग कह रहे, SIR के लिए जल्दी क्यों? सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भरा SIR फार्म, तस्वीर आई सामने;लगातार सरकार पर बोल रहे हमला

उत्तर प्रदेश में इन दिनों स्क्रुक्र फार्म भरे जा रहे हैं। इसी बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी स्क्रुक्र फार्म भर दिया है। फार्म भरते उनकी तस्वीर सामने आई है। बताया गया कि उन्होंने 27 नवंबर को फार्म भरा है। वहीं दूसरी तरफ सपा मुखिया स्क्रुक्र और प्रक्रिया को लेकर लगातार सरकार पर निशाना साध रहे हैं। शनिवार को भी प्रेस वार्ता करके उन्होंने प्रदेश में हो रही बीएलओ की मौतों पर भाजपा को निशाने पर लिया। साथ ही लखनऊ में मलिहाबाद के मृतक बीएलओ विजय कुमार वर्मा की पत्नी संगीता को दो लाख रुपये की आर्थिक मदद दी।इस मौके पर अखिलेश ने कहा कि एसआईआर, भाजपा और आयोग की मिलीभगत की साजिश है। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंग गए हैं। दबाव में बीएलओ जान दे रहे हैं। मुद्दे को पहले लोकसभा में उठाएंगे, फिर रोड पर भी आएंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि स्क्रुक्र फॉर्म को लेकर बीएलओ और कर्मचारियों पर जबरदस्ती दबाव बनाया जा रहा है और सरकार अजीब जल्दबाजी दिखा रही है, जिससे लोगों की जान तक जा रही है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि बीएलओ पर जबरदस्ती का वर्क प्रेशर दिया जा रहा है। एसआईआर के लिए भाजपा को इतनी जल्दीबाजी क्यों हैं। यूपी में लगातार शादियां हो रही हैं। इस समय सब लोग व्यस्त हैं। लेकिन, इनको इससे मतलब नहीं है। फार्म भरने के लिए नगर निगम के सफाई कर्मियों को सहायक बनाया गया है।कल

मैं फतेहपुर गया था, वहां मुझे पता चला कि सुपरवाइजर पर सरकार दबाव बना रही थी। इस वजह से उन्होंने आत्महत्या कर ली।

आखिर इतनी जल्दी क्यों हैं? वेस्ट बंगाल के लोग कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं। एसआईआर, भाजपा और आयोग की मिलीभगत की साजिश है। एसआईआर के मुद्दे पर संसद के बाद सड़क पर सपा उतरेगी। वहीं, अखिलेश यादव ने मलिहाबाद के मृतक बीएलओ विजय कुमार वर्मा की पत्नी संगीता को दो लाख रुपये की मदद दी।अखिलेश यादव ने सभी विपक्षी दलों से की थी अपील-एक दिन पहले अखिलेश यादव ने सभी विपक्षी दलों के साथ ही एनडीए के सहयोगी दलों से अपील की थी कि वे एकजुट हों और भाजपा के वोट काटने के षड्यंत्र का पर्दाफाश करें। जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का खात्मा करेगी। इसलिए हमारी प्रत्येक देशवासी से अपील है कि सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकें। एसआईआर पर कहा था कि ये लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरूक हो, आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत, जमीन, मकान, राशन, जाति और आरक्षण से नाम काटा जाएगा।

फिर बात खातों और मध्यवर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। यह देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। बिहार चुनाव में पीडीए हारा नहीं उसे हराया गया-

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा से लोगों को होशियार रहने की जरूरत है। जो वादे करती है वह पूरे नहीं करती है। पीडीए के बढ़ते जनाधार को लेकर भाजपा को डर सता रहा है। भाजपा ने एसआईआर का काम शुरू कराया तो हमने जाति जनगणना की बात रखी, लेकिन भाजपा जानती है, इससे उसका नुकसान होगा। इस लिए नहीं कराया। बिहार चुनाव में पीडीए हारा नहीं उसे हराया गया है।

संपादकीय Editorial

Ram is not the only eternal being.

With the hoisting of the flag of Dharma on the summit of the magnificent, divine Shri Ram Temple in Ayodhya, the classical process of the temple has been completed. The Ram Temple has become complete and meaningful. Prime Minister Modi's statement is apt that centuries of wounds and pain are now healing. Centuries of suffering are finally coming to an end today, as a 500-year-old resolution has finally been fulfilled. This is undoubtedly the time for the final offering in the yagya of the Ram Temple resolution. This is the flag of Sanatan Dharma, the banner of renaissance. The Prime Minister has defined Ayodhya as a symbol of a new India. Indeed, the construction of the Ram Temple has enhanced everything in Ayodhya. Now, Ayodhya is no longer a city of anarchy, the darkness of the new moon, and communal conflict, but also hoists the flag of economic development for Uttar Pradesh and India. Now, Ayodhya hoists the flag of the Suryavansh, the Ikshvaku dynasty, and the Raghukul. Ram is a character in a part of India's cultural and Sanatan struggle. Ram is not an individual, but a symbol of values, discipline, dignity, and direction. Undoubtedly, Ram is India, and the country is today filled with Ram, Prime Minister Modi's words are one-sided and incomplete. India is not only filled with Ram, but also with Shiva, Krishna, Ganesha, Jainism, Buddhism, Sikhism, and Jesusism. A large population in the country is also filled with Islam. Even before Islam and Christianity existed in India, the nation existed. Its civilization and culture are as ancient as the Vedic period. There are countless devotees who have faith, reverence, and devotion towards these gods and goddesses. They consider their deities as worshipable along with Shri Ram. In a nation where 330 million deities have been imagined, some of whom have their idols installed within the Ram temple complex, and their beautiful temples have been built, it is one-sided to solely care for and glorify Ram. Not all gods and goddesses are contained within Lord Shri Ram. Their existences and beliefs differ. Prime Minister Modi cannot portray India as solely filled with Ram. The existences of other deities are also not "Ram-filled." Centuries of wounds still ache, and the pain hasn't subsided, because Ram isn't the only flag-bearer of Sanatan Dharma. From Chhatrapati Shivaji, Maharana Pratap, Prithviraj Chauhan, Ahilya Bai Holkar, Rani Lakshmi Bai of Jhansi, to Guru Tegh Bahadur, Mother India has had many brave sons who defended Sanatan Dharma and Hindu Dharma against the Mughals and invaders, fought battles, made sacrifices, and ensured India's taint or decline. Their cultural and national contributions are no less than those of Lord Shri Ram. Grand temples should be built for them, and the saffron flag should be hoisted atop their peaks. The Prime Minister himself visited Kurukshetra on the occasion of Sikh Guru Tegh Bahadur's Martyrdom Day. He mentioned the Sikh Guru's Sanatan struggle and sacrifice, but he didn't use the word "Gurumay." Since Prime Minister Modi is the "executive head" of the entire country, the head of government, considering "Ram-filled" as eternal is discriminatory. For the Prime Minister, all religions, even Islam, are equal, dignified, and important. Of course, very few Muslims vote for the Prime Minister's party, the BJP. However, with the construction of a grand temple for Lord Ram in Ayodhya, the economy has undergone a transformation. Ayodhya is now a city with five-star hotels and an international airport. Ayodhya's gross domestic product (GDP) alone exceeds ?10,000 crore. Ayodhya's tourism economy will generate revenues of over ?18,000 crore by 2028. By June 2025, 238.2 million tourists and Ram devotees had visited Ayodhya.

Ignoring the root causes of terrorism, terrorists are able to justify their actions as religious acts.

Terrorism, and especially jihadist terrorism, will remain unresolved as long as we continue to ignore the fact that they are easily able to justify their actions as religious. This very ease is the biggest challenge in combating jihadist terrorism. To meet this challenge, we must acknowledge that terrorists are armed with religious fanaticism. Religious fanaticism: The challenge of terrorism After the video of Umar Nabi, the suicide bomber who carried out the terrorist attack near the Red Fort in Delhi, surfaced, there has been a race to label him as misguided and misguided. Some leaders are even unwilling to acknowledge him as Muslim. This is because he was seen and heard in one of his videos saying that suicide attacks are an Islamic act—martyrdom. He is not the first terrorist to describe suicide attacks as religious or Islamic. Countless terrorists and their groups make similar claims. Many terrorist groups have Islamic names, such as Jaish-e-Mohammed and Lashkar-e-Taiba. Along with these Pakistan-based jihadist organizations, numerous terrorist organizations with Islamic names have also been formed in India. Their names reveal their source of inspiration, which is often religious. This is evident in the fact that most of them have Ghazwa-e-Hind or similar goals. The most dreaded terrorist organization, the Islamic State, not only calls itself Islamic, but also inscribes the Shahada, the declaration of faith in Islam, on its flag. It did this to establish itself as a truly Islamic organization. Is it a secret that countless Muslim youth from around the world went to Syria and Iraq to fight for it? This happened after a fatwa was issued against it in many countries. It happened in India too, but many Muslim youth from Kerala and Karnataka ignored it. This organization is still active in Afghanistan and Pakistan. The barbarity it has displayed is unparalleled. Despite this, there was a time in Kashmir where sympathizers of this dreaded terrorist organization were obsessed with raising its flag. Fed up with this craze, people in Rajouri burned an ISIS flag, leading to an uproar. The rioters claimed their religious sentiments had been hurt. The flag burners apologized and said they were unaware of its symbolism or meaning, but the offended people refused to relent. As a result, a curfew had to be imposed. It cannot be ignored that whenever a terrorist who carried out a major terrorist attack was killed in Kashmir, he was immediately labeled a deviant and apostate, yet thousands of people still attended his funeral. This double standard, along with many other factors, is making the fight against jihadist terrorism difficult. It's ridiculous that as soon as the video of terrorist Umar surfaced, jihad was defined as an internal struggle—a small conflict. Similarly, the word "kafir" began to be interpreted arbitrarily. It was even said that terrorists have no religion. Of course, they do not, but is there any doubt that they rely on religion to garner support and protection through it? As the terrorists involved in the Faridabad terrorist module did. Many of the terrorists involved in this module are doctors. Clearly, their high education is beyond doubt. Despite this, attempts are being made to blame the Modi government and its policies for their becoming terrorists. Can it be said that the Modi government hindered their path to becoming doctors or prevented them from finding jobs? If that were the case, how did they complete their medical studies and find jobs in Kashmir, as well as Faridabad, Saharanpur, and so on? Since they earned good salaries, it cannot be said that they were suffering from financial hardship. They became jihadists because they were obsessed with the path of jihad, and they did so because they discovered that this path was religiously acceptable. If they joined a jihadist cleric or Pakistani handler, was it out of ignorance? They joined because they believed what they said. Had they not been able to prove their terrorist acts were religious, they would not have been able to attract so many people to their ranks, making it difficult to count them. The terrorist doctors involved in the Faridabad module cannot even be said to have been victims of persecution. Some people are also saying that the removal of Article 370 from Jammu and Kashmir incited anger and forced them to take the path of terrorism. However, terrorism existed in Kashmir even when Article 370 was in place. Why were they becoming terrorists then? Terrorism, and jihadist terrorism in particular, will remain unchecked as long as we continue to ignore the fact that terrorists are easily able to justify their actions as religious. This very ease is the biggest challenge in combating jihadist terrorism. To meet this challenge, we must acknowledge that terrorists are fueled by religious fervor.

The Constitution's Power, Requiring Periodic Amendments

The need for reform exists not only in the political, administrative, judicial, and economic spheres, but also in the social sphere. It would be wise not to ignore this. The agenda for a Uniform Civil Code remains incomplete, and the benefits of reservation remain to reach deserving individuals. These issues should not be merely discussed, but demonstrated through action. The Constitution is the soul of the nation. Amendments are necessary over time. The process is laid out in Article 368. The Constitution is the soul of the nation. Amendments are necessary over time. The process is laid out in Article 368. The various events held on Constitution Day, from the Central Hall of Parliament to other venues, underscore the Constitution's importance. These events were possible because the Modi government decided in 2015 to celebrate Constitution Day every year on November 26th. While the President emphasized that the Constitution is the foundation of the nation and a guiding document for adopting a nationalist mindset, the Prime Minister attributed his rise to the position of Prime Minister to the power of the Constitution. This was confirmed a few days ago by former

Supreme Court Chief Justice B.R. Gavai, who stated that he reached this position only because of the Constitution. The Prime Minister, in his letter to the countrymen, reminded them of their civic responsibilities, citing the Constitution. Heed should be paid to the fact that the dream of developing the country can only be realized when everyone is vigilant about their rights as well as their responsibilities. Amidst the various expressions of dedication to the Constitution, the manner in which Leader of the Opposition Rahul Gandhi stated that no attack on it would be tolerated suggests that he is once again trying to raise the specter that the Constitution is in danger. Those who claim the Constitution is in danger would do well to understand that by doing so, they not only weaken it but also disrespect it. In reality, if there is any threat to the Constitution, it is its arbitrary interpretation. It is strange that the Constitution is one, yet it is interpreted in different ways. When this happens, people become suspicious. A new trend is also being observed: the provisions of the Constitution are being presented as if they were set in stone. The Constitution is a living document, and for this reason, governments of all parties have amended it from time to time. Now, it is being made to appear as if making any amendment to the Constitution is a crime. This is simply propaganda designed to mislead the public. What should happen is that the ruling party and the opposition agree that the remaining reform steps in various areas, in accordance with the spirit of the Constitution, should be taken as soon as possible. Reforms are needed not only in the political, administrative, judicial, and economic spheres, but also in the social sphere. It would be better not to ignore that the agenda for a Uniform Civil Code is still incomplete, and the benefits of reservations are yet to reach the deserving people. These issues should not be merely talked about, but should be demonstrated through action.

सुबह और रात की ठिठुरन ने किया परेशान...अलाव के लिए अब तक तय नहीं स्थान

मुरादाबाद । मौसम का रंग लोगों को सुबह और रात में ठंड और दिन में हल्की गर्मी का अहसास करा रहा है। कई दिनों से गलन बढ़ गई है। इस ठंड में अभी भी गरीब व निराश्रित खुले आसमान के नीचे फुटपाथ पर सोने को विवश हैं। क्योंकि अभी तक निकायों की ओर से उनके लिए आश्रय स्थल दुरुस्त नहीं किए गए हैं। मौसम के बदलते रंग से लोग बीमार पड़ रहे हैं। क्योंकि तापमान का असंतुलन लोगों को बीमार कर रहा है। कभी तापमान बढ़ रहा है तो कभी एक दो डिग्री लुढ़क कर लोगों को ठंड से ठिठुरा रहा है। शुक्रवार की सुबह गलन अधिक रही। दिन में हालांकि धूप की तपिश ठीक होने से राहत मिली। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कभी कोहरे की चादर से सुबह और रात ढकी रह रही है तो कभी आसमान साफ होने से दिन में खिली धूप हो रही है। शुक्रवार की शाम ढलते ही अचानक गलन बढ़ गई। ठंड में सबसे अधिक गरीब व बेसहारा लोगों के साथ ही बेजुबानों को दिक्कत होती है। प्रशासन व निकायों की ओर से अधिकांश रैन बसेरा, शेल्टर होम में प्रबंध पूरे नहीं होने से लोग ठिठुरने को विवश हैं। हालांकि हरथला स्थित रामगंगा विहार वाली रोड पर स्थित शेल्टर होम में ठहरे व्यक्ति को गुरुवार रात कंबल व बिस्तर मिल गया था। लेकिन अन्य सुविधाओं की दरकार है। रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन पर अस्थायी शेल्टर होम को भी प्रबंध की जरूरत है। निकायों के द्वारा अलाव जलवाने के लिए पिछले साल के चिह्नित स्थान के अलावा अन्य स्थानों को करने तो कहीं लकड़ी मंगाने के लिए टेंडर की प्रक्रिया चल रही है।

बिना एनओसी सड़क निर्माण पर वन विभाग ने जताई आपत्ति

मुरादाबाद । लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बिना वन विभाग की एनओसी लिए बगैर कई सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण परियोजना शुरू करने पर वन विभाग ने आपत्ति जताई है।

विभाग की ओर से मुख्य अभियंता को पत्र भेजकर कार्यों को तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। वन विभाग के अनुसार लोक निर्माण विभाग की सीमा में स्थित कई स्थलों पर निर्माण कार्य के लिए वन विभाग के पेड़ों को बिना एनओसी के माध्यम से बिना अनुमति लिए काटा या हटाया जा रहा है, जबकि इसके लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य है।विभाग ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किसी भी सरकारी परियोजना में हरित संपदा को नुकसान पहुंचाना नियम विरुद्ध है। कुछ सड़कों के चौड़ीकरण और निर्माण कार्य शुरू भी हो चुके हैं, जिनमें वन विभाग की भूमि पर लगे पेड़ प्रभावित हो रहे हैं। वन विभाग ने कार्रवाई को रोकने और संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

समझाने पहुंचे किसान को स्कार्पियो चालक ने कुचलकर मार डाला, पांच घंटे तक हंगामा

ठाकुरद्वारा में स्कॉर्पियो चालक ने बाइक सवार किसान को टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों में विवाद हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर वाहन चालक ने किसान को कुचल दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ठाकुरद्वारा में काशीपुर मार्ग पर शुक्रवार दोपहर को स्कॉर्पियो चालक ने सामने जा रहे बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे दोनों के चालकों में विवाद होने लगा, ये देख एक किसान दोनों को समझाने चला गया।आरोप है कि गलती बताने पर स्कार्पियों चालक इतना भड़क गया कि उसने अपनी गाड़ी बाइक सवार को दोबारा टक्कर मारने की कोशिश की, उसके भाग जाने के बाद स्कार्पियों चालक ने किसान को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।परिजनों ने स्कार्पियो चालक पर हत्या का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर करीब पांच घंटे तक हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट होगी। काशीपुर मार्ग पर पशुपति के पास नहर से फरीदनगर को जाने वाले रास्ते पर गांव का फइम बाइक से आ रहा था। इस बीच काशीपुर से आ रही काले रंग की स्कॉर्पियो की टक्कर उसकी बाइक को लग गई। इसे लेकर बाइक सवार और स्कार्पियो चालक के बीच विवाद होने लगा।

यह देखकर पास में ही खेत पर काम कर रहे नगर के मोहल्ला जमुनावाला निवासी किसान हसमत अली उर्फ भोला खां मौके पर पहुंचे और दोनों को समझाने का प्रयास करने लगे। इसके बाद स्कार्पियो चालक भड़क गया। आरोप है कि इसके बाद उसने पहले बाइक को टक्कर मारी, लेकिन फईम ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचा ली। इसके बाद स्कार्पियो चालक ने किसान हसमत अली को जोरदार टक्कर मार कर कुचल दिया। जिससे किसान की मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी मनोज परमार ने बताया कि पहले स्कॉर्पियो को गांव फरीदनगर का बताया गया था लेकिन जांच में स्कॉर्पियो उत्तराखंड की निकली है। बॉर्डर पर सूर्य पुलिस चौकी पर लगे सीसीटीवी में स्कार्पियों की तस्वीर कैद हो गई है। किसान की हत्या हुई है या दुर्घटना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर और जांच के बाद पता चल सकेगा। आरोपी स्कार्पियो चालक को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्रवाई के आश्वासन पर शांत हुए परिजन- दुर्घटना की सूचना पर 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस शव को लेकर नगर के सरकारी अस्पताल पहुंची। यहां करीब पांच घंटे तक मृतक के परिजन नईम और छोटे खां, सपा नेता अख्तर अली खां आदि स्कार्पियो चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करते रहे। परिजन सीधे तौर पर स्कार्पियो चालक पर किसान की हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद रात 8 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

होटल में तोड़फोड़... कर्मियों को पीटा, दरोगा और सिपाही निलंबित, वीडियो वायरल होने पर कार्रवाई

मुरादाबाद । ठाकुरद्वारा में होटल संचालक से मारपीट करने में दरोगा और सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। दोनों पर होटल में तोड़फोड़ और गाली गलौच करने का आरोप है। ठाकुरद्वारा में काशीपुर रोड स्थित होटल में देर रात पुलिस कर्मियों के तोड़फोड़ करने का वीडियो वायरल हो गया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने होटल संचालक से खाना मांगा लेकिन उसने बंद होने की बात कही। इससे नाराज होकर दरोगा और सिपाही ने होटल में घुसकर संचालक शारिक हुसैन व कर्मचारियों के साथ मारपीट शुरू कर दी।रसोई में रखा सामान भी फेंक दिया और स्टाफ को गालीगलौज करते हुए पीटा। घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। होटल मालिक बिजनौर के नूरपुर निवासी शारिक हुसैन का आरोप है कि पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे।इससे पहले भी देर रात खाने और अन्य डिमांड करते रहे हैं। इस बार उन्होंने सीट से खींचकर मारपीट की और रसोइया तक को नहीं छोड़ा। पीड़ित ने पूरी घटना की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराई है। मामला सामने आने के बाद एसएसपी ने फुटेज और संबंधित वीडियो तलब किए हैं। वहीं एसपी ग्रामीण खुद जांच के लिए कोतवाली ठाकुरद्वारा पहुंचे। प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने पर दरोगा सुरेंद्र कुमार और कांस्टेबल रजत को निलंबित कर दिया गया है। उधर, थाना प्रभारी मनोज परमार का कहना है कि होटल देर रात तक खुला था। इसलिए उसे बंद कराने के लिए पुलिस टीम भेजी गई थी। होटल मालिक की तहरीर पर जांच कर आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

लालबत्ती गाड़ी पर मजिस्ट्रेट का बोर्ड लगा बनाई रील, पुलिस को युवकों की तलाश.. मालिक से होगी पूछताछ

लालबत्ती लगी गाड़ी पर वीडियो बनाने वाले युवकों की तलाश शुरू हो गई है। पुलिस ने पूछताछ के लिए वाहन मालिक को बुलाया है। 48 सेकेंड के वीडियो में गाड़ी के बोनट पर तीन युवक बैठे नजर आ रहे हैं। गाड़ी में हूटर और लाल-नीली बत्ती भी लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर रील बनाने के लिए युवा नियमों की भी धज्जियां उड़ा रहे हैं। वह लालबत्ती लगी स्कार्पियो पर मजिस्ट्रेट का बोर्ड लगाकर रील बना रहे हैं। जिला पुलिस ने वीडियो वायरल होने पर उसे संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है।पता चला है कि गाड़ी पाकबड़ा के एक व्यक्ति की है। उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया है। स्कार्पियो गाड़ी पर मुरादाबाद का रजिस्ट्रेशन नंबर है। मजिस्ट्रेट लिखी सरकारी गाड़ी के साथ चार युवकों के स्टंटबाजी का वीडियो वायरल हैं।युवक गाड़ी के बोनट पर बैठकर सिगरेट के धुएं का छल्ला उड़ाते नजर आ रहे थे।48 सेकेंड के वायरल वीडियो में गाड़ी के बोनट पर तीन युवक बैठे नजर आ रहे हैं। गाड़ी में हूटर और लाल-नीली बत्ती भी लगी है। वायरल वीडियो के बैकग्राउंड में एक हरियाणवी गाना बज रहा है। एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि जिस वीडियो में चार युवक स्कार्पियो में लाल बत्ती के साथ मजिस्ट्रेट का बोर्ड लगाए हैं। युवक किसी रेस्टोरेंट के पास खड़े होकर हरियाणवी गाना बजा रहे हैं। इस मामले की पुलिस जांच कर रही है।-पाकबड़ा के खेमपाल सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है कार पुलिस ने वायरल वीडियो में दिख रही कार के नंबर की जांच की। पता चला है कि कार पाकबड़ा निवासी खेमपाल सिंह के नाम से रजिस्टर्ड है। यह गाड़ी तहसील में किसी प्रशासनिक अधिकारी के लिए लगाई गई थी। अधिकारी का चालक बृहस्पतिवार की रात गाड़ी लेकर निकला था। एक होटल पर रुकने के बाद अपने दोस्तों को भी बुला लिया। दोनों लोगों ने स्टंटबाजी की वीडियो मोबाइल से बना लिया। पुलिस ने जांच के दौरान गाड़ी मालिक की पहचान कर ली है। शनिवार को उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पूछताछ के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। - सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी ट्रैफिक एवं क्राइम

मुझे पत्नी से बचाओ एसएसपी साहब..., हत्या कराने की देती है धमकी, घर से बिना बताए हो जाती है गायब

मुरादाबाद में युवक ने पत्नी से खतरा बताते हुए शिकायती पत्र दिया है। उसका आरोप है कि शादी के बाद ही पत्नी उसे परेशान कर रही हैं। अब वह जेल भिजवाने की धमकी भी दे रही है। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के एक युवक ने अपनी पत्नी से ही खुद को खतरा बताते हुए एसएसपी को प्रार्थनापत्र देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। उसका आरोप है कि शादी के बाद से ही पत्नी उसे लगातार परेशान कर रही है। एसएसपी को दिए प्रार्थनापत्र में युवक ने बताया कि उसकी शादी 17 मई 2024 को हुई थी। अब पत्नी उसे धमकी देती है कि घर जाकर वह जहर खा लेगी या बिजली के तार को पकड़ कर जान दे देगी और इस मामले में उसके पूरे परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवा देगी। युवक के अनुसार इस समस्या का समाधान करने के लिए उसने मोहल्ले के लोगों और रिश्तेदारों को बुलाकर एक पंचायत की थी।

पंचों ने उसे समझाया भी था। फिर भी पत्नी धमकी देने से बाज नहीं आ रही है। वह ऐसा इसलिए करती है, क्योंकि वह मायके में रहना चाहती है, उस पर भी मायके में ही रहने का दबाव बनाती है, जबकि वह अपनी पत्नी को साथ रखने को तैयार है। उसका आरोप है कि पत्नी उसे बगैर बताए कहीं चली जाती है। इस बारे में पूछने पर कहती है कि वह किसी के घर जा सकती है। ज्यादा पूछताछ करने पर हत्या कराने की धमकी देती है। कई बार उसने अपने भाई और रामपुर के टांडा थाना क्षेत्र के रहने वाले बहनोई से भी धमकी दिला चुकी है। एसएसपी ने इस मामले में जांच करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद, रामपुर, संभल और बिजनौर के डीपीआरओ को नोटिस

मुरादाबाद । कल्याण कोष से मृतक बीडीसी सदस्य, ग्राम पंचायत सदस्य और प्रधान के आश्रितों को मिलने वाली सहायता के लिए मुरादाबाद में 17 आवेदन लंबे समय से लंबित पड़े हैं। जनपद में कल्याण कोष से जुड़ी कार्य प्रगति प्रदेश में सबसे खराब पाए जाने पर मंडलायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए मंडल चार जिला पंचायत राज अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।उप निदेशक पंचायत राज अभय कुमार ने बताया कि दो दिन पूर्व पंचायती राज निदेशक ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कल्याण कोष संबंधी लंबित मामलों पर नाराजगी जताई थी और जिले को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद लंबित आवेदन जारी रहने पर मंडलायुक्त ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संज्ञान लिया है।मंडलायुक्त ने मुरादाबाद, रामपुर, संभल और बिजनौर के जिला पंचायत राज अधिकारियों को नोटिस जारी कर चार दिन के भीतर विस्तृत जवाब तलब किया है। इसके साथ ही लंबित सभी कल्याण कोष मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में करने के स्पष्ट निर्देश भी दिए गए हैं।प्रशासनिक स्तर पर माना जा रहा है कि कल्याण कोष के लंबित मामलों से पात्र आश्रितों को समय से सहायता नहीं मिल पा रही, जिससे व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नोटिस के बाद विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

चौबीस घंटे से घर नहीं पहुंचा ग्रामीण, घर वाले कर रहे थे तलाश, पुआल के ढेर पर मिला का अधजला शव

कैमरी में किसान का अधजला शव मिला है। वह चौबीस घंटे से गायब थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। केमरी के ग्राम हरैया कलां में शनिवार सुबह नहर किनारे ग्रामीण का अधजला शव मिला है। मौके पर

ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। ग्राम पजईया निवासी मुकेश कुमार शर्मा (45) मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते थे। शुक्रवार सुबह वह रोज की तरह अपने काम पर निकले थे। देर शाम तक वापस न आने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। शनिवार सुबह ग्राम हरैया कलां के ग्रामीणों ने पुआल के ढेर में आग लगी देखी। नजदीक जाकर देखा तो वह अधजली अवस्था में पड़े थे। ग्रामीणों ने सूचना केमरी पुलिस को दी। इस बीच परिजन और अन्य ग्रामीण भी पहुंच गए। थानाध्यक्ष हिमांशु चौहान ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक नशे का आदी था। शुक्रवार शाम नशे की हालत में वह नहर में गिर गए थे। गांव के कुछ बच्चों ने उन्हें वाहन निकाला और पुआल के ढेर पर लिटा दिया था। सुबह इसी पुआल के ढेर में आग लगी हुई थी। उसमें उनका अधजला शव पड़ा था। ग्रामीणों ने आशंका जाहिर की है कि पुआल का ढेर के ऊपर हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। फाल्ट होने की वजह से पुआल के ढेर में आग लग गई होगी। नशे में होने के कारण मुकेश अपना बचाव नहीं कर सके।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय बरेली में हो रहे आई.क्यू.ए.सी. (आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय रिसर्च मेथोडोलोजी एवं आधुनिक रिसर्च में ए.आई. तकनीकी का प्रयोग था।

कार्यक्रम का आरम्भ पारंपरिक प्रचलन के अनुसार दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पष्चात महाविद्यालय के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित) द्वारा स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का महत्व व उद्देष्य समझाया। तत्पष्चात कार्यक्रम सहसमन्वयक एवं मंच संचालिका निषा परवीन ने पूर्ण कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। समापन दिवस के प्रथम वक्ता प्रोफेसर अनिल कुमार गर्ग (सेवानिवृत संयुक्त निदेशक एवं एमेरिटस प्रोफेसर आई.वी.आर.आई) ने अपने व्याख्यान शोध की प्रस्तुति एवं प्रसार卐 विषय पर प्रस्तुतिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात समापन दिवस की द्वितीय वक्ता डॉ. कीर्ति प्रजापति (शिक्षक शिक्षा विभाग, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विष्वविद्यालय परिसर बरेली) ने अपने व्याख्यान शोध की नैतिकता विष्वसनीयता पारदर्शिता एवं उद्देष्य पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमित अग्रवालन ने किया। कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि.), बरेली के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल आदि सम्मिलित हुए।

थाना सुभाषनगर क्षेत्र में तालाब में मिला नव विवाहिता का शव

एक नवंबर को हुई थी शादी : हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुभाषनगर क्षेत्र के हनुमानगढ़ी में नवविवाहिता ज्योति शर्मा (24 वर्ष) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। ज्योति का शव शनिवार सुबह घर के पीछे ही बने तालाब में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मृतका के पति लव कुमार शर्मा को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक मृतका के ससुरालवालों ने बताया कि सुबह करीब 7ः30 बजे पड़ोसी ने तालाब में किसी के गिरे होने की सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो पता चला कि वह ज्योति है। उसे तुरंत बाहर निकालकर निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर ज्योति के मायके वाले पहुंच गए।

किला क्षेत्र के गढ़ैया निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उनकी बेटी ज्योति की शादी एक नवंबर को हुई थी। अभी एक महीना भी नहीं बीता था। बताया कि शुक्रवार शाम को उन्होंने ज्योति को कॉल किया था, लेकिन उसने रिसीव नहीं किया। शनिवार सुबह संपर्क करने पर ससुराल वालों ने ज्योति की तबीयत खराब होने और अस्पताल ले जाने की बात कही। कुछ देर बाद ज्योति की मौत की सूचना मिली।

दहेज हत्या का आरोप -मृतका के पिता ने बताया कि उन्होंने ज्योति की शादी में सारा सामान दिया था। ज्यादातर सामान अभी तक खुला भी नहीं था। उससे पहले ही बेटी की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि ज्योति आत्महत्या नहीं कर सकती है। मायका पक्ष ने ससुरालवालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। सुभाषनगर थाना प्रभारी ने बताया कि मायके पक्ष की सूचना पर पुलिस ने जांच की। मृतका के पति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चले सकेगा ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

माननीय सदस्य राज्य महिला आयोग ने वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली माननीय सदस्य राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश पुष्पा पांडे ने वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान माननीय सदस्य द्वारा केंद्र प्रबंधक से केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली गई, जिस पर अवगत कराया गया कि आज 14 पीड़िताएं केंद्र पर आवासित हैं, माह नवंबर में कुल 109 प्रकरण केंद्र पर आए हैं। तत्पश्चात केंद्र में अल्पावास हेतु आवासित पीड़िताओं से बात की गई एवं केंद्र द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में पूछताछ की गई। केंद्र पर आवासित पीड़िताओं के द्वारा बताया गया कि केंद्र पर किसी भी प्रकार की समस्या नहीं है, भोजन मेन्यू के अनुसार दिया जाता है एवं आवश्यकता अनुसार सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रबंधक चंचल गंगवार, चौकी प्रभारी रेखा कुमारी, जिला मिशन कोऑर्डिनेट रिंकी सैनी सहित स्टाफ उपस्थित रहे।

बरेली में विकास को मिलेगी रफ्तार, एक हजार करोड़ के बन रहे प्रस्ताव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में विकास कार्यों को गति देने के लिए नगर निगम में 1000 करोड़ रुपये के पुनरीक्षित बजट के प्रस्ताव को लेकर कार्यकारिणी समिति की बैठक शनिवार दोपहर को शुरू हो गई। बैठक में प्रस्तावों को मंजूरी मिलते ही शहर की मुख्य सड़कों से लेकर मोहल्लों की तंग गलियों तक में बड़े पैमाने पर काम शुरू होगा। मेयर डॉ.उमेश गौतम ने बताया कि शहर के विकास के लिए पहली बार इतना बड़ा बजट मिला है। लंबे समय से बजट की कमी के कारण रुके हुए कामों को अब राहत मिलेगी। इस मेगा बजट का बड़ा हिस्सा सड़कों, नालियों, स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट्स और साफ-सफाई व्यवस्था पर खर्च किया जाएगा।

शहर की पुरानी और टूट चुकी सड़कों को दुरुस्त करने के साथ कई नई सड़कों का निर्माण भी प्रस्तावित है। बजट में हरित क्षेत्रों के विस्तार, पार्कों के सौंदर्यीकरण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए भी राशि निर्धारित की गई है। निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर को स्मार्ट व क्लीन सिटी मॉडल के हिसाब से अपग्रेड किया जाएगा।

25 साल तक सलीम बनकर रहे ओम प्रकाश ,अब शुद्धिकरण के बाद फिर से हिंदू धर्म अपनाया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली के शाही में ढाई दशक पहले घर छोड़कर गए ओम प्रकाश दिल्ली में गुम हो गए। वहां उन्हें सलीम की पहचान मिल गई। वहीं निकाह भी हो गया। चार बच्चे हुए। अब मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू हुआ तो दिल्ली में उनका कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। तब उन्होंने गांव का रुख किया। यहां फूलमालाओं और बैंडबाजे के साथ उनका स्वागत किया गया। शुद्धिकरण के बाद उन्होंने फिर से हिंदू धर्म अपना लिया। शाही थाना क्षेत्र के गांव काशीपुर निवासी ओम प्रकाश 15 वर्ष की उम्र में घर से नाराज होकर चले गए थे।ओमप्रकाश के आने पर उनके छोटे भाई रोशन लाल, भतीजे कुंवर सेन, वीरपाल सहित प्रधान वीरेंद्र राजपूत, रामवीर और अन्य ग्रामीणों ने खुशी जताई। ओम प्रकाश ने बताया कि अब उनकी इच्छा परिवार के साथ गांव में ही रहने की है। वह गांव के पते पर ही अपनी आईडी बनवाएंगे।

ऐसे बीते 25 साल- ओम प्रकाश ने बताया कि जब वह घर से नाराज होकर गए थे तो कुछ दिनों तक बरेली में मजदूरी की। फिर वह दिल्ली चले गए। दिल्ली में किराये का कमरा लेने के लिए आईडी की अड़चन आई तो वहां के लोगों ने उनका नाम सलीम पुत्र ताहिर हुसैन रख दिया।

दबंग पड़ोसियों का आतंक, अधिवक्ता के परिवार पर दूसरी बार हमला

खुलेआम मिल रही जान से मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हाफिजगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मुडिया भीकमपुर में दबंगों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि एक महिला अधिवक्ता का पूरा परिवार दिन-दहाड़े हमले और जान से मारने की धमकियों से सहमा हुआ है। मात्र तीन दिन के अंदर दो बार घर में घुसकर मारपीट करने और अब खुलेआम एक-दो दिन में यमराज से मिलवाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले की पीड़िता किरण देवी (पेशे से अधिवक्ता) ने बताया कि 26 नवंबर 2025 को सुबह करीब 11 बजे उनके पड़ोसी बाबूराम उर्फ हरीश, जयप्रकाश उर्फ मुन्ना, उपेंद्र उर्फ गुड्डू (सभी पुत्र मोहन लाल) और नन्ही देवी पत्नी मोहन लाल ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में उनकी मां रुकम देई, पिता मदन गोपाल, बड़ी बहन चमन और छोटी बहन शिवानी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने घायलों का प्राथमिक उपचार नवाबगंज अस्पताल में कराया, जहां से सभी को बरेली जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बहन चमन के बयान पर थाना हाफिजगंज में मुकदमा दर्ज हुआ (FIR नं. 0508/2025, धाराएं 323, 452, 504, 506, 427 आदि)। लेकिन इसके बाद भी दबंगों के हौसले नहीं थमे।

27 नवंबर को शाम करीब 4-5 बजे नामजद आरोपी बाबूराम उर्फ हरीश घर के दरवाजे पर खड़े होकर चिल्लाया, मदन गोपाल या उसके घर के किसी भी सदस्य को एक-दो दिन में यमराज से मिलवा दूंगा।

उसी दिन शाम करीब 10 बजे तीन अज्ञात युवक मुंह पर गमछा बांधकर घर में घुसे और घायल पिता मदन गोपाल का हाथ पकड़कर जबरन बाहर खींचने लगे। विरोध करने पर धमकी देकर भाग गए।

पीड़िता किरण देवी ने बताया कि आरोपी परिवार बेहद दबंग है और अवैध असलहे रखता है। उनके पक्ष में गांव के प्रधान के पति छेदा लाल उर्फ छिद्दू मुखिया का पूरा सहयोग है, जिनका बड़ा बेटा उत्तर प्रदेश पुलिस में सब-इंस्पेक्टर है। दबाव और रसूख के डर से अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

आज 29 नवंबर को अधिवक्ता किरण देवी ने थाना प्रभारी हाफिजगंज को नया प्रार्थना-पत्र देकर जान-माल की सुरक्षा, तत्काल गिरफ्तारी और उचित कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। परिवार इस वक्त दहशत में है और घर से बाहर निकलने में भी डर लग रहा है।सवाल यह है कि जब एक महिला वकील और उसका परिवार ही अपने घर में सुरक्षित नहीं है, तो आम ग्रामीण क्या करेगा? अधिवक्ता ने आरोपियों के खिलाफ थाना हाफिजगंज में तहरीर दी है पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

आईएमए यूपीकॉन 2025: में विशेषज्ञों ने बताई हृदय रोगों की वजह, बढ़ते प्रदूषण पर जताई चिंता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आईएमए भवन में शनिवार को दो दिवसीय आईएमए यूपीकॉन 2025 का आगाज हो गया। कार्यक्रम में मेदांता के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ कार्तिकेय भार्गव ने हृदय रोगों की वजह, इलाज और उससे बचाव के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के खतरनाक स्तर तक पहुंचाने में आम लोग भी जिम्मेदार हैं। कंक्रीट के जंगल बसे और हरियाली पर आरी चली। जनसंख्या के साथ हाउसहोल्ड कचरा बढ़ा। जरूरत से ज्यादा वाहन की आवाजाही और खरीदारी बढ़ी, जो वायु प्रदूषण की मुख्य वजह है।

डॉ कार्तिकेय भार्गव ने कहा कि सरकार पर दोषारोपण पूरी तरह सही नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को इससे निदान में योगदान करना होगा। कहा कि सांस के मरीजों का दिल्ली में दम घुट रहा है। वे दो तीन दिन से ज्यादा ठहरते नहीं। यह प्रदूषण आने वाली पीढ़ी, वर्तमान के निवासियों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। सोशल मीडिया बन रहा मानसिक तनाव की वजह - उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लाइक्स या अनुकूल कमेंट न आने से भी मानसिक तनाव बढ़ रहा है। बच्चे आक्रामक हो रहे हैं। बीपी का स्तर बढ़ने से हाइपरटेंशन से हृदयाघात की आशंका रहती है। कोविड वैक्सीन के बाद अचानक हार्ट अटैक की आशंका पर दुनिया भर में शोध हो रहे हैं पर अब तक दोनों का आपस में कोई संबंध या पुष्ट आधार नहीं मिला है।

कार्यक्रम में डायरेक्टर एसोसिएशन ऑफ मेडिकल स्पेशियलिटी (एएमएस) डॉ मनजीत सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान आईएमए नेशनल पास्ट प्रेसिडेंट डॉ शरद अग्रवाल, आईएमए यूपी अध्यक्ष डॉ पीके अग्रवाल, आईएमए यूपी सचिव डॉ आशीष कुमार अग्रवाल, आईएमए यूपी कोषाध्यक्ष डॉ वाणी पुरी रावत आदि मौजूद रहे।

कोडीन सिरप कांड: धनंजय सिंह के मैसेज से नया मोड़, रखी ये मांग; अमित टाटा की गिरफ्तारी के बाद नाम आया था सामने

कोडीन सिरप कांड मामले में धनंजय सिंह के मैसेज से नया मोड़ आ गया है। उन्होंने मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। मास्टरमाइंड के करीबी अमित टाटा की गिरफ्तारी के बाद उनका नाम सामने आया था।कोडीन कफ सिरप मामले में यूपी में एसटीएफ की कार्रवाई लगातार जारी है। मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के साथी अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद पूर्व सांसद धनंजय सिंह का नाम सामने आया। अब धनंजय सिंह के एक मैसेज से मामले में नया मोड़ आ गया है। पूर्व सांसद ने एक्स पर पोस्ट करते हुए मामले में सीबीआई जांच की मांग की है।एक्स पर पोस्ट करते हुए धनंजय सिंह ने लिखा कि मुझे पता है कि कफ सिरप मामले में कुछ राजनैतिक विरोधियों ने पत्रकारों को गुमराह किया। मेरे बारे में भ्रामक बातें फैलाने का काम किया। मैं बताना चाहता हूं कि यह मामला वाराणसी से जुड़ा है। इस कारण कांग्रेस और अन्य दलों के नेता झूठे आरोप लगाकर प्रधानमंत्री की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।%उन्होंने आगे लिखा कि %सरकार विभिन्न एजेंसियों से गहनता से इस मामले की जांच कराए। ताकि सत्यता सामने आ सके। अंतरराज्यीय मामला होने के कारण प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि सीबीआई से इसकी जांच कराएं। ताकि, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो सके। गलत आरोपों और झूठी खबरों पर विराम लग सके। धनंजय सिंह का करीबी है अमित टाटा- दरअसल, दो दिन पहले लखनऊ के गोमती नगर इलाके से एसटीएफ ने अरबों रुपये के नशीले कफ सिरप की तस्करी करने वाले वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल के पार्टनर अमित सिंह टाटा को गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ पूर्व में भी सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। अमित टाटा की गिरफ्तारी के बाद यह बात सामने आई कि वह बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह का करीबी है। अमित टाटा के पास से जो फॉर्च्यूनर बरामद हुई है, उसका नंबर यूपी 65 एफएन 9777 है। इस नंबर की गाड़ियों की फ्लीट का इस्तेमाल धनंजय सिंह द्वारा किया जाता है। इसके बाद मामले में धनंजय सिंह की भूमिका की जांच की मांग उठने लगी। इसी का जवाब देते हुए उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की है।

सीटी नर्सरी, एनटीटी और डीपीएड में दाखिला पहली दिसंबर से, ऑनलाइन मोड में होंगे आवेदन, जानें पूरी प्रक्रिया

उत्तर प्रदेश में सीटी नर्सरी, डीपीएसई (एनटीटी) और डीपीएड दाखिला 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन पहली दिसंबर से वेबसाइट www.entdata.co.in पर शुरू होंगे। उत्तर प्रदेश में सीटी नर्सरी, डीपीएसई (एनटीटी) और डीपीएड दाखिला 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन पहली दिसंबर से वेबसाइट www.entdata.co.in पर शुरू होंगे। इन पाठ्यक्रमों के लिए 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रदान किया जाएगा। परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय के सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 दिसंबर है और फीस 27 दिसंबर तक जमा होगी। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने और प्रिंट आउट लेने की आखिरी तीाख 31 दिसंबर निर्धारित की गई है।परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय के अनुसार आवेदन केवल ऑनलाइन मोड से स्वीकार होंगे। फीस जमा करने के बाद सभी चरण पूरे करने के बाद ही आवेदन पूर्ण माना जाएगा। यूपी के दो संस्थानों में सीटी नर्सरी की 61, एनटीटी की 1550 और डीपीएड की 130 सीटें हैं। इन्हीं पर उम्मीदवारों को मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रदान किया जाएगा। ऐसे में जो भी अभ्यर्थी इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं वे तत्काल ही विभाग की आधिकारिक वेबसाइट entdata.co.in पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

सपा कार्यालय पर बड़ी कार्रवाई, ईओ आवास से कब्जा छुड़ाया,नकटादाना चौराहा बना छावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत के नकटादाना चौराहे पर स्थित नगर पालिका ईओ आवास पर वर्षों से अस्थायी रूप से कब्जा जमाकर बैठे समाजवादी पार्टी कार्यालय को प्रशासन ने शनिवार को खाली करा लिया। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम श्रद्धा सिंह, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी और कई थानों की पुलिस फोर्स की मौजूदगी में आवास का ताला तोड़कर कार्रवाई की गई। पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। ईओ आवास को वर्ष 2005 में समाजवादी पार्टी को आवंटित किया गया था, लेकिन 2020 में आवंटन अवधि समाप्त होने के बाद यह अवैध कब्जे की श्रेणी में आ गया।

पार्टी का मामला न्यायालय में लंबित है, लेकिन अब तक कोई स्थगन आदेश (स्टे) नहीं मिला। 10 जून को प्रशासन ने कार्यालय पर अपना ताला डालकर चेतावनी दी थी और एक महीने के भीतर सामान हटाने का निर्देश दिया था। समय सीमा बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर प्रशासन ने यह कदम उठाया। प्रशासनिक टीम ने आवास में लगे ताले को तोड़कर प्रवेश किया। अंदर रखा समाजवादी पार्टी का सारा सामान बाहर निकलवाया गया। सामान को नगर पालिका के भंडारण कक्ष में सुरक्षित जमा करा दिया गया। कार्रवाई के दौरान दो थानों की पुलिस फोर्स तैनात रही। कोई भी सपा नेता मौके पर मौजूद नहीं रहा। प्रशासन ने बताया कि आवास पर पूरी तरह कब्जा ले लिया गया है। एक कमरे को पुलिस सहायता पोस्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। हाईवे किनारे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए यहां पुलिस बल की स्थायी तैनाती पर विचार किया जा रहा है। नगर पालिका टीम ने आवास की सफाई और व्यवस्था शुरू कर दी है। नकटादाना चौराहे पर आज दिन भर प्रशासनिक हलचल और भारी पुलिस बल की वजह से माहौल तनावपूर्ण रहा, लेकिन पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई।

भूखे रहने को मजबूर, किर्गिस्तान में फंसे पीलीभीत के 12 युवकों की दर्दनाक पुकार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत जिले के 12 युवक पिछले दो महीनों से किर्गिस्तान में फंसे हुए हैं। नौकरी के सपने लेकर घर से निकले ये युवक आज किसी अनजान देश में भूख, मारपीट और शोषण का सामना करने को मजबूर हैं। इनका दर्द बयां करते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिन्हें देखकर परिजनों की रातों की नींद उड़ गई है।

पीड़ित युवकों के परिवारों का आरोप है कि शहर की एक कॉलोनी में रहने वाले एजेंट विजय चौधरी और हर नारायण ने उन्हें अच्छी सैलरी और कंस्ट्रक्शन साइट पर सुरक्षित नौकरी का झांसा दिया। हर युवक से 2 से 3 लाख रुपये तक लिए गए, लेकिन किर्गिस्तान पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए गया है। इतना ही नहीं अब इन्हें खाना नहीं दिया जा रहा, मारपीट हो रही है और अलग-अलग साइटों पर खतरनाक काम कराया जा रहा है। युवकों ने वीडियो में खुद अपने हालात बताते हुए कहा कि हम लोग चार दिन से भूखे हैं। बस थोड़ा-सा ब्रेड दिया जा रहा हैज् कल हमें पीटा भी गया। पासपोर्ट छीन लिया हैज् अलग-अलग साइटों पर ले जाकर खतरनाक काम कराया जाता है। हमें घर वापस भेज दो। इन वीडियो ने परिजनों को तोड़कर रख दिया है. कई परिवार माता-पिता के आंसुओं में भीगे हुए शिकायतपत्र लिए DM-SP ऑफिस के चक्कर लगा रहे हैं। पीड़ितों के परिजन अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया से मिले हैं और न्याय की गुहार लगाई है मामले में अपर पुलिस अधीक्षक ने जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। बताया जा रहा है एजेंट विजय चौधरी

व हर नारायण ने जिले के अलग-अलग गांव से 14 लोगों को कंस्ट्रक्शन के काम के लिए भेजा था?। लेकिन वहां दूसरे काम पर लगाया गया साथ ही खाना भी नहीं दिया गया। इन 14 लोगों में सचिन पांडे व अभिषेक किसी तरह दो-दो लाख रूपए देकर पीलीभीत पहुंच गए लेकिन 12 लोग अभी फंसे हुए हैं। जिनके परिजन आज अपर पुलिस अधीक्षक से मिले हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

संक्षिप्त समाचार

एससी एसटी आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे का स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज उत्तर प्रदेश एससी एसटी आयोग के सदस्य रमेश चंद्र के जनपद आगमन को लेकर अपना दल एस के

जिलाध्यक्ष अनिल अटरिया अपना दल एस युवा मंच के जिलाध्यक्ष और प्रभारी भोगनीपुर विधानसभा एवं प्रबल दावेदार जिला पंचायत क्षेत्र दिरावटी अनिल कुदारी राष्ट्रीय सचिव दीप मणि व्यापार मंच जिला महासचिव महेंद्र बरार भदारी जिलाध्यक्ष विधि पंच केके पचौरी एस सी एस टी मंच के जिलाध्यक्ष दीपू गौतम जिला उपाध्यक्ष युवा मंच लालसिंह बगिया जिला महासचिव युवा मंच राम बाबू कुशवाहा पिया निरंजनपुर जिला मीडिया सचिव सचिव हेमंत लम्बरदार जिला उपाध्यक्ष अरुण बाल्मीकि जिला उपाध्यक्ष युवा मंच अनिल कुशवाहा लुहारी जिला सचिव युवा मंच शशिकांत पाल सहित आदि पार्टी नेताओ ने उनका जोरदार स्वागत किया इस के बाद एस सी एस टी आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और जरूरी दिशा निर्देश दिये

पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील लोहिया कोंच आये मंडल रेल प्रबंधक को पत्र दिया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष और सदस्य रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति कोंच सुनील लोहिया एडवोकेट ने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने करने कोंच आये मंडल रेल

प्रबंधक झांसी अनिरुद्ध कुमार जी से भेंट कर ज्ञापन दिया इस दिये गये ज्ञापन में अवगत कराया गया है कि रेलवे ने लगभग एक सो बीस वर्ष बाद कोंच एट कोंच शटल ट्रेन का विस्तार करते हुये उरई सरसोखी तक बढ़ाया जाना स्वागत योग्य कदम है खेद जनक यह है कि इस शटल ट्रेन से रोजाना यात्रा करने वाले सैकड़ों व्यापारियों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है कारण एट जंक्शन पर रुकने वाली यात्री ट्रेनों से इसका मिलान नहीं किया गया साथ ही एट जंक्शन पर इंटर सिटी एक्सप्रेस ट्रेन नं 11109 से एवं एट स्टेशन पर रुकने वाली अन्य ट्रेनों का भी मिलान शटल ट्रेन का अति आवश्यक है उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक से जनहित में मांग की है इस अवसर पर समाजसेवी अवध यादव सभासद अनिल वर्मा सभासद बादाम सिंह कुशवाहा सभासद दंगल सिंह यादव सभासद रविकांत कुशवाहा सभासद माधव यादव सभासद देवेंद्र सिंह गुर्जर रामजी गुप्ता केके गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे

श्रीप्रकाश जयसवाल को दी श्रद्धांजलि, राजा मुराद बोले- मेरे अभिन्न मित्र थे, सतीश महाना ने मजबूत नेता बताया

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और कांग्रेस नेता राजा मुराद समेत कई राजनेताओं ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने श्रीप्रकाश को शांत और मजबूत नेता बताया।कानपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता श्रीप्रकाश जायसवाल के शुक्रवार को 81 वर्ष की आयु में हुए निधन पर राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। शनिवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और कांग्रेस नेता राजा मुराद समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें। उन्होंने अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।राज मुराद बोले- हम दोनों ने खूब साथ काम किया वहीं, कांग्रेस नेता और अभिनेता राजा मुराद ने श्रीप्रकाश जायसवाल को अपना अभिन्न मित्र बताते हुए इसे व्यक्तिगत क्षति बताया। उन्होंने कहा कि सदैव शांत और कभी भी हालात से विचलित न होने वाले मजबूत नेता थे श्रीप्रकाश जायसवाल। मेरे अभिन्न मित्रों में से एक। हम दोनों ने खूब साथ काम किया। मैं हमेशा उनकी सौम्यता और दूरदर्शिता से प्रभावित हुआ। उनका जाना व्यक्तिगत क्षति है। ईश्वर परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सह पाने की शक्ति दें।

स्व सहायता समूहों की दीदियों के लिए स्थाई आजीविका हेतु बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी= शिवपुरी जिले में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने हेतु मनरेगा के माध्यम से ''एक बगिया मां के नाम'' परियोजना को नई दिशा दी जा रही है। जिला पंचायत कार्यालय में गतदिवस आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज ने जिला प्रबंधक आजीविका मिशन, सभी सहायक यंत्री जनपद पंचायतों, ब्लॉक प्रबंधकों एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों के साथ परियोजना के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजय राज द्वारा समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शासन से दिए गए लक्ष्य के विरुद्ध कार्य स्वीकृति की शत प्रतिशत पूर्ति 30 नवंबर 2025 तक पूर्ण कर 05 दिसंबर तक सभी कार्य प्रारंभ कर लिए जाए तथा ऐसे अच्छे हितग्राही जिन्होनें परियोजना स्वीकृत कराकर गड्ढे खोद लिए हैं उनका पौधा रोपण एवं फेंसिंग 30 जनवरी तक पूर्ण करा ली जाए। कार्यक्रम में 31 मार्च 2026 की स्थिति में जिला व राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले व जनपदों को शासन स्तर से पुरस्कृत किया जाएगा।

बैठक के दौरान जिले को शासन से प्राप्त कुल 800 उद्यानिकी परियोजनाएं, जिनमें से प्रत्येक विकासखंड हेतु 100-100 परियोजनाओं का लक्ष्य दिया गया है जिसके तहत आजीविका मिशन से जुड़ी हुई स्व सहायता समूह की महिलाओं को उनकी निजी सिंचाई सुविधा युक्त भूमि जिस पर उद्यानिकी प्रजाती के 100 पौधे रोपण एक बगिया मां के नाम परियोजना के तहत 3 वर्ष की परियोजना स्वीकृत की जा रही है। इस परियोजना में हितग्राहियों को उनको अपनी ही भूमि पर मनरेगा अंतर्गत 100 दिवस के रोजगार के साथ-साथ बगिया से होने वाली स्थिर आय का साधन उपलब्ध होगा। बगिया में पौधों की सुरक्षा हेतु तार फेंसिंग का प्रावधान है जिसका भुगतान भी मनरेगा से किया जाएगा पौधों का चयन हितग्राही द्वारा स्वयं किया जाकर सामग्री तथा मजदूरी का भुगतान हितग्राही के खाते में ही किया जाएगा।

कोतवाली पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में कोतवाल अजीत सिंह हमराही सिपाही नीतीश कुमार आदि ने नगर के मारकंडेश्वर तिराहा पर मुकदमा अपराध संख्या 241 /2025 धारा 108 बीएनएस में आरोपी देवेंद्र कुमार पुत्र घनश्याम निवासी ग्राम दाढ़ी कोतवाली कोंच को गिरफ्तार किया है और उसे न्यायालय पेश किया गया

दो चिताओं पर जले चार शव... बीवी और बच्चों के शवों को देख फूट पड़ा; आंखों में सैलाब बनकर छलका सीने का दर्द

संभल में गंगा एक्सप्रेसवे पर बृहस्पतिवार की शाम हुए हादसे में आदमपुर के परिवार के छह लोगों की मौत के बाद पूरे गांव में गम का माहौल है। शुक्रवार की शाम को पोस्टमार्टम के बाद देववती और कपिल के शव उनके घर पहुंचे तो चीत्कार मच गई।संभल के बहजोई के गांव बिसारू में शुक्रवार को मातमी माहौल दिखाई दिया। चार शव जब एंबुलेंस से गांव पहुंचे तो चीख पुकार मच गई। जिसने भी शव देखे उसकी आंख से आंसू छलक पड़े। इससे भी दर्दनाक मंजर तब दिखा जब मां के शव के साथ बच्चों के शव चिता पर रखे गए। एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। बराबर में ही दूसरे शव का अंतिम संस्कार किया।

एक ही परिवार के छह लोगों की मौत से गांव बिसारू के साथ अमरोहा के आदमपुर और बागड़पुर में भी गमगीन माहौल रहा। रिश्तेदार वक्त को कोसते दिखाई दिए। जिस परिवार में बृहस्पतिवार की शाम तक खुशियों का माहौल था। अब उनका गम किसी से देखा नहीं जा रहा। शाम को करीब साढ़े चार बजे रोहित की पत्नी रेनू (35), बेटा भाष्कर (7), बेटी रिया (10) और रोहित के भाई सुनील की पत्नी गीता (28) का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचे। हादसे से बुरी तरह कुचल चुके इन शवों का अंतिम संस्कार करने के लिए कुछ लोगों ने जिम्मेदारी ली। करीब छह बजे शव गांव के बाहर श्मशान घाट तक पहुंचे। रेनू की चिता पर रिया और भास्कर का भी शव रखा गया। इनकी चिता के नजदीक ही गीता की चिता बनाई। दोनों चिताएं एक साथ जलाई गईं। दो चिता पर चार शव देखकर हर आंख से आंसुओं की धार बह पड़ी। ग्रामीण और रिश्तेदार वक्त को कोसते रहे। वहीं, दूसरी ओर एहतियाती तौर पर अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस की भी निगरानी रही। हालांकि शांतिपूर्ण तरीके से अंतिम संस्कार कर दिए गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाली रोहित की बहन देववती (40) और बागड़पुर निवासी भांजे कपिल (12) का अंतिम उनके गांवों में किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव उनके गांव चले गए थे। सभी छह पोस्टमार्टम संभल में ही किए गए हैं।नामकरण से लौटते समय काल के गाल में समाए परिवार के छह लोग- अमरोहा के आदमपुर में करीब 10 वर्षों से रोहित सराफा का कारोबार करते हैं। बृहस्पतिवार को छोटे भाई डेविड की बेटी के नामकरण में शामिल होने के लिए पैतृक गांव बिसारू आए थे। साथ में पत्नी, बेटी, दो बेटे, बहन, भाभी और भांजा था। कार्यक्रम में शामिल होकर जब लौट रहे थे तो रात को करीब सात बजे हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर धतरा के नजदीक गंगा एक्सप्रेसवे पर सब्जी से भरी पिकअप ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इसमें पत्नी, बेटी, बेटा, बहन, भाभी और भांजे की मौत हो गई। जबकि वह खुद और बड़ा बेटा जय घायल हैं। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए हैं। पिकअप हापुड़ जिले में पंजीकृत है। इस पिकअप के चालक और परिचालक भी घायल हुए हैं। काल के गाल में पूरा परिवार समा गया है। अभागा रोहित, पत्नी और बच्चों के शवों को देखकर फूट पड़ा

जिस रोहित के हाथ और शरीर पर चोट लगी है, उस अभागे को यह नहीं पता था कि इस हादसे ने उनका पूरा परिवार खत्म कर दिया है। एक पल में हंसता खेलता परिवार जिसमें पत्नी रेनू, बेटा भाष्कर और बेटी रिया मौत के मुंह में समा गए। जबकि एक बेटे जय की जिंदगी और मौत के बीच जंग चल रही है। शुक्रवार को अंतिम संस्कार के समय वह श्मशान घाट पहुंचे तो पत्नी, बेटी, बेटे, भाभी का शव देखकर बिलख पड़े।जो दर्द हादसे के बाद शरीर पर था। उससे कहीं ज्यादा रोहित की चीखों में था और वह बेबस थे। बड़ा बेटा जय जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। रोहित की बेबसी थी जो अपने बच्चों को अंतिम समय में दुलार भी नहीं सके। यह बेबसी देखकर ग्रामीणों की आंखों में भी आंसू दिखाई दिए। ग्रामीणों ने बताया कि बहन और भांजे की मौत के बारे में रोहित को नहीं बताया गया है।चीखता रहा रोहित - मेरे बच्चों को देखने दो - रोहित ने शवों के अंतिम संस्कार से पहले लोगों से चीखते हुए गुहार लगाई कि वह अपने बच्चों को देखना चाहता है। जब किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो रोहित ने रोते हुए कहा कि मेरे बच्चों को देखने दो। लोग कुछ कहे बिना ही पकड़े खड़े रहे। हालांकि यह स्थिति भी काफी दर्दनाक थी। रोहित की हालत और बदहवासी को देखते हुए रोहित की पत्नी व बच्चों की चिता का अग्नि रोहित के सबसे छोटे भाई नीरज ने दी। गीता की चिता को अग्नि उनके पति सुनील ने दी। देववती व कपिल के शव पहुंचते ही रो पड़ी हर आंख- संभल में गंगा एक्सप्रेसवे पर बृहस्पतिवार की शाम हुए हादसे में आदमपुर के परिवार के छह लोगों की मौत के बाद पूरे गांव में गम का माहौल है। शुक्रवार की शाम को पोस्टमार्टम के बाद देववती और कपिल के शव उनके घर पहुंचे तो चीत्कार मच गई। दोनों का अलग-अलग गंगाघाट पर ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। मूल रूप से संभल के गांव बिसारू निवासी रोहित पिछले बीस वर्षों से आदमपुर में पत्नी व बच्चों के साथ रहते थे।आदमपुर में ही वह ज्वैलर्स की दुकान चलाते थे। बृहस्पतिवार को रोहित अपनी पत्नी रेनू, बेटी रिया, बेटे भास्कर व जय, छोटे भाई सुनील की पत्नी गीता, बहन देववती और भांजे कपिल के साथ मूल गांव बिसारू में भाई के बच्चों के नामकरण संस्कार में शामिल होने गए थे। शाम को वहां से वापस आते समय गंगा एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में रेनू, रिया, भास्कर, देववती, गीता और कपिल की मौत हो गई थी, जबकि रोहित और उसका दूसरा बेटा जय घायल हो गए थे। घायलों का पोस्टमार्टम जनपद संभल में ही हुआ। शुक्रवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद देववती का शव आदमपुर और कपिल का शव उसके गांव बागड़पुर पहुंचा। कपिल चार बहन भाइयों में सबसे छोटा था।वह गांव के ही निजी स्कूल में कक्षा आठ में पढ़ता था। कपिल के शव का अनूपशहर गंगाघाट पर अंतिम संस्कार किया गया, जबकि देववती का अंतिम संस्कार पौराना घाट पर किया गया।

यातायात सुरक्षा एवं राष्ट्रीय संपत्ति संरक्षण पर जन-जागरूकता कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावास्ती जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के सक्षम एवं प्रेरणादायी दिशा-निर्देशन में किया गया। वाहिनी परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सहायक कमांडेंट अमित कुमार द्वारा जवानों को यातायात नियमों के पालन तथा "Public Transport Property is National Property" के महत्व से अवगत कराया गया। उन्होंने सभी कार्मिकों को सड़क सुरक्षा, वाहन संचालन में सतर्कता, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग सहित सार्वजनिक परिवहन संपत्ति की सुरक्षा को राष्ट्रहित से जोड़कर समझाया। इसी क्रम में, बाहरी सीमा चौकी सोनपथरी द्वारा सिरसिया बाजार तथा बाहरी सीमा चौकी सुईयां द्वारा तालभगौरा बाजार में स्थानीय नागरिकों को उपरोक्त विषयों पर जागरूक किया गया। जवानों द्वारा नागरिकों को यातायात नियमों का पालन, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, एवं सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम समाज में सुरक्षा, अनुशासन और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

किशोरी से दरिंदगी....भाई-बहनों को कमरे में किया बंद, फिर दरिंदे ने लूटी आबरू; रो पड़ी मां

एटा में एक किशोरी के साथ घर में घुसकर दरिंदगी की गई। भाई-बहनों को कमरे में बंद कर उसकी आबरू लूटी। आपबीती सुनाते हुए पीड़िता की मां रो पड़ी। एटा के जलेसर कस्बे की एक महिला ने बृहस्पतिवार को थाने पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराई। बताया कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ एक युवक ने बलात्कार किया है। इस दौरान भाई-बहनों को एक कमरे में बंद कर दिया।किशोरी की मां ने पुलिस को बताया कि वह और उसका पति कारखाने में काम करते हैं। 15 नवंबर की रात को दोनों काम पर गए थे। घर में उनके तीन छोटे बच्चे थे। रात में घर पहुंचा मोहल्ले का आरोपी सुशील दरवाजा खुलवाकर अंदर आ गया और दो छोटे बच्चों को एक कमरे में बंदकर किशोरी को दूसरे कमरे में ले जाकर बलात्कार किया। बच्चों की सूचना पर वह घर पहुंची और घटना की सूचना तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को दी। पुलिस ने आकर उसके बच्चों के बयान दर्ज किए। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

रंजिश की खौफनाक कहानी...एक साल के अंदर ही काट दी कुल्हाड़ी से शिवा की गर्दन, लाश देख चीख पड़े घरवाले

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में 16 वर्षीय शिवा की बेरहमी से हत्या के पीछे की वजह रंजिश है। 19 जनवरी 2025 को गांव के ही 19 वर्षीय लवकुश का शव मिला था, जिसके बाद दो परिवारों में रंजिश शुरू हो गई थी। मैनपुरी के दन्नाहार में गांव जरामई का रहने वाला 16 वर्षीय निर्दोष शिवा शुक्रवार को बदले की आग की भेंट चढ़ गया, उसके परिवार के सात लोगों पर गांव के रहने वाले लवकुश की हत्या का आरोप लगा था, दोनों परिवारों के बीच रंजिश की नींव 19 जनवरी 2025 को लवकुश का शव मिलने के बाद पड़ी।

थाना क्षेत्र गांव जरामई का रहने वाला 19 वर्षीय लवकुश 17 जनवरी 2025 को लापता हो गया था। दो दिन बाद उसका शव मैनपुरी सिरसागंज मार्ग पर रामनगर नहर पुल के पास मिला था। हत्या के मामले में शिवा के परिवार के सात लोगों को आरोपी बनाया गया था। वर्तमान में चार लोग जमानत पर चल रहे हैं, वहीं तीन लोग अभी भी जेल में निरुद्ध हैं। लवकुश हत्याकांड के बाद से विपक्षी बदले की आग में सुलग रहे थे, शुक्रवार को निर्दोष शिवा बदले की भेंट चढ़ गया, घटना के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में मातम छाया हुआ है।तारीख पर गए थे शिवा के परिजन- शिवा की भाभी ने बताया कि देवर पर हमले की जानकारी हुई

तो वह डर से कांपने लगी, भय की वजह से वह देवर को बचाने नहीं जा सकीं, उन्होंने पुलिस को फोन कर सूचना दी। शिवा के बड़े भाई शिवम, मां बबली, ताऊ रामकिशोर, चचेरा भाई आशीष शुक्रवार को लवकुश हत्याकांड के मुकदमे की तारीख के लिए दीवानी न्यायालय गए हुए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद सभी लोग रोते बिलखते गांव पहुंचे।सातवीं कक्षा के बाद छोड़ दी थी पढ़ाई- 16 साल का शिवा सातवीं तक पढ़ा था, इसके बाद पढाई छोड़ कर घर पर ही परिजन का कामकाज में हाथ बटा रहा था। शुक्रवार को वह रोज की तरह पशुओं को चराने के लिए गया था। शिवा के आसपास कई और लोग भी पशुओं को चरा रहे थे, मगर शिवा पर हमले के बाद सभी डर कर वहां से भाग गए। कोई भी शिवा को बचाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। शिवा के अलावा बड़ा भाई शिवम व चार बहनें हैं।झूठे मामले में फंसाने का आरोप मृतक शिवा की भाभी शिवांकी रो-रोकर कह रही थीं कि हमारे घरवालों को लवकुश हत्याकांड में गलत तरीके से आरोपी बनाया गया था। गलत फंसने के बाद भी वह लोग जैसे तैसे अपना समय काट रहे थे।

मगर, आज उसके निर्दोष देवर की बेरहमी से हत्या कर दी गई।गांव में पुलिस बल तैनात गांव जरामई में 16 वर्षीय शिवा की बेरहमी की गई हत्या के बाद ग्रामीण सहमे हुए हैं। दहशत का माहौल है, वहीं दोनों पक्ष के लोग एक ही गांव के रहने वाले हैं, उनके बीच हत्या की रंजिश अब खूनी रूप ले चुकी है। ऐसे में पुलिस भी सतर्कता बरत रही है, गांव में सुरक्षा को लेकर पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं आरोपियों के घर में ताले लटके हैं, पुलिस तलाश के लिए दबिश दे रही है।

कथा व्यास साध्वी प्रियंका शास्त्री ने भक्त ध्रुव की भक्ति की कथा सुनाई

भक्तों की भारी भीड़ कथा सुनने को उमड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) श्री राम महायज्ञ की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ग्राम रबा मे श्री मद भागवत कथा एवं राम लीला मंचन और मेला महोत्सव का विशाल आयोजन चल रहा है श्री मद भागवत कथा में आज चौथे दिन कथा व्यास साध्वी प्रियंका शास्त्री जी ने भक्त ध्रुव की कथा उनकी पूरी भक्तिकी कथा अपने मुखारबिंद से भक्तों को श्रवण कराई इस कथा पंडाल में तमाम गांवों से आये लोगों ने कथा व्यास का सम्मान कर आशीष लिया इस कार्यक्रम के संयोजक और कथा के परीक्षित विधान परिषद की सदस्य श्री मति रमा आरपी निरंजन ने कथा पुराण की पूजन अर्चन कर आरती उतारी और कथा व्यास साध्वी प्रियंका शास्त्री जी का पुष्प गुच्छ देकर आशीर्वाद लिया यज्ञ वेदी व्यवस्था सुरेश पटेल मंच संचालन व्यवस्था में कृष्णकांत बाजपेई नारायण सिंह आचार्य जी कार्यालय प्रभारी एवं कोषाध्यक्ष रामलीला व्यवस्था शिव नारायण राजीव राठौर अमीर सिंह परिहार सोहन सिंह बृजेश पटेल राजीव निरंजन जिला महामंत्री भंडारा व्यवस्था श्याम चरण झा अर्जुन सिंह कथा समापन के बाद सैकड़ों भक्तों को प्रसाद के रूप में केला फल का वितरण किया गया इस अवसर पर शिक्षक नेता रामशंकर छानी सत्येंद्र गुर्जर दिक्कू रबा प्रधान मुलायम सिंह कुशवाहा राजेंद्र प्रसाद निरंजन राजेश बापू अभय निरंजन मनोज झा लालसिंह कुशवाहा सुरेन्द्र पटेल नारायण सिंह आचार्य जी कमलेश महाराज लालजी पटेल महेंद्र निरंजन मिस्टर धनोरा हरिश्चंद्र पटेल सदुपुरा राजेंद्र सिंह मास्टर पप्पू पटेल आलोक राठौर ब्योना पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील लोहिया अवध यादव महेश पटेल शिव पाल सिंह सोहन अर्जुन हरिसिंह राम राजा नितिन रोशन चन्दन रजक बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे

अलीगढ़ में बने रोहिंग्या-घुसपैठियों के आधार कार्ड, एटीएस सहित अन्य एजेंसियां जुटा रहीं सुराग

इस नेटवर्क ने अलीगढ़ के साथ साथ पश्चिमी यूपी के हाथरस, बुलंदशहर, कासगंज, एटा, बदायूं, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर आदि के लोगों के आधार बनाए गए थे।एसआईआर सर्वे के बीच अलीगढ़ में सरकारी साइटें हैककर बनाए गए कूटरचित आधार कार्ड एजेंसियों की जांच के घेरे में आ गए हैं। चूंकि बांग्लादेशी नेटवर्क से जुड़े इस गिरोह द्वारा रोहिंग्या से लेकर नेपाल व घुसपैठियों तक के कूटरचित आधार कार्ड बनाने का अंदेशा है। इधर, अब सरकार ने आधार कार्ड को पते के बाद अब जन्मतिथि का प्रमाण पत्र मान्यता भी खत्म कर दी है। इसलिए एजेंसियों के स्तर से इनकी गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर इन आधार कार्डों को सरकार के स्तर से रद्द करने पर निर्णय लिया जा सकता है।एसटीएफ लखनऊ यूनिट ने क्वार्सी के जीवनगढ़ इलाके से 5-6 नवंबर की रात कार्रवाई करते हुए जनसेवा केंद्रों पर छापा मारकर उनके संचालक साजिद हुसेन व नईमुद्दीन को दबोचा था। अभी इस गिरोह के दिल्ली निवासी सरगना सहित तीन साथी फरार हैं। मगर इन दोनों से पूछताछ व जांच के आधार पर उजागर हुआ था कि यह नेटवर्क पश्चिम बंगाल में भारतीय सीमा पर फर्जीवाड़ा कर आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह से जुड़ा था। इस गिरोह ने अब तक कई राज्यों की सरकारी साइटें हैककर पांच हजार से अधिक आधार कार्ड बना दिए। चूंकि यह गिरोह लगातार विकसित हो रहे मुस्लिम आबादी वाले इलाके से ऑपरेट हो रहा था। इन तमाम वजहों से एसटीएफ को पूरा अंदेशा था कि गिरोह ने रोहिंग्या व घुसपैंठियों तक के आधार कार्ड बनाए होंगे।हमारी पुलिस टीम इस मामले में अपनी विवेचना कर रही है। साइबर की मदद से जानने का प्रयास हो रहा है कि आधार कार्ड कितने बने होंगे। यह इंकार नहीं किया जा सकता कि इसमें रोहिंग्या व अन्य तरह के घुसपैठियों के आधार न बने हों। रहा सवाल एजेंसियों के स्तर से जांच का तो अगर एजेंसी किसी तरह की मदद मांगेंगी तो दी जाएगी।-मृगांक शेखर पाठक, एसपी सिटी

एटीएस सहित अन्य एजेंसियां जुटा रहीं सुराग- उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार इस नेटवर्क के पकड़े जाने के बाद भी खुफिया इनपुट ये मिला है कि अलीगढ़ को चूंकि पनाहगाह के रूप में घुसपैंठियों द्वारा प्रयोग किया जाता रहा है। साथ में प्रदेश में चल रहे फर्जी आधार कार्ड गिरोह की जड़ें यहां गहरी हैं। इसलिए इस नेटवर्क द्वारा बनाए गए आधार कार्ड जांच की जद में लिए गए हैं। साथ में इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों को भी रडार पर लिया गया है। यह भी अंदेशा है कि अन्य लोग भी इस धंधे से जुड़े हो सकते हैं। इन सभी पहलुओं पर एजेंसियों के स्तर से जांच की जा रही है। ताकि इस नेटवर्क द्वारा बनाए गए आधार कार्ड व उनसे जुड़े अन्य प्रमाण पत्र रद्द कराए जा सकें। इन जिलों के बनाए गए आधार कार्ड- इस नेटवर्क ने अलीगढ़ के साथ साथ पश्चिमी यूपी के हाथरस, बुलंदशहर, कासगंज, एटा, बदायूं, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर आदि के लोगों के आधार बनाए गए थे। पंचायत सचिव की आईडी हैककर बने आधार भी जांच की जद में इस गिरोह के अलावा अपने जिले में बिहार नेटवर्क ने पालीमुकीमपुर क्षेत्र के पंचायत सचिव की आईडी हैककर 597 आधार कार्ड बनाए थे। वे भी जांच की जद में हैं। उनकी जांच कर उन्हें भी रद्द कराया जा सकेगा।ये आधार फर्जी नहीं, कूटरचित-चूंकि यह आधार कार्ड सरकारी साइटों को हैककर बनाए गए थे। इसलिए इन्हें फर्जी नहीं कहा जा सकता। हां, ये कूटरचित जरूर कहे जा सकते हैं। चूंकि ये गलत तरीके से व गलत लोगों के भी बने हो सकते हैं, इसलिए एजेंसियों द्वारा इनकी गंभीरता से जांच की जा रही है। डेटा संकलन के आधार पर आधार कार्ड चिह्नित कर उन्हें रद्द कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी ली

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने रिजर्व पुलिस लाइन भिनगा में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ली इस अवसर पर परेड में सम्मिलित सभी रिक्रूट आरक्षियों व अधिकारी, कर्मचारीगण को शारीरिक व मानसिक रूप से सुदृढ़ रहने हेतु प्रेरित करते हुए सामूहिक दौड़ लगवाई गई। साथ ही अनुशासन एकरूपता और कार्यक्षमता को बढ़ावा देने के लिए टोलीवार ड्रिल का अभ्यास कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन परिसर सहित फॉरेंसिक किट, बॉडी प्रोटेक्शन किट व ढपर वाहनों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं को शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रशिक्षुओं को कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और पुलिस सेवा के उच्च आदर्शों को आत्मसात करने हेतु प्रोत्साहित किया

12 घण्टे में 43 वारंटी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद में वांछित एवं वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा बीते 12 घंटे में प्रभावी कार्यवाहीप करते हुए कुल 43 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। इस विशेष अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम एवं क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा प अभियान चलाकर 12 घंटे के भीतर 43 वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। उक्त वारंटियों के विरुद्ध मा0 न्यायालय द्वारा वारंट जारी किए गए थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त मारपीट, चोरी, एससी एसटी एक्ट, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, गुंडा अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट, डीपी एक्ट आदि अपराधों में वांछित थे। थाना को0 भिनगा में 11 वारंटी, थाना सिरसिया 02 वारंटी, थाना व मल्हीपुर 06 वारंटी, थाना हरदत्तनगर गिरंट 06 वारंटी, थाना गिलौला 10 वारंटी, थाना ठटढळ श्रावस्ती कुल 05 वारंटी व थाना सोनवा 03 F वारंटी गिरफ्तार किये गए। सभी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय प के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के मादक पदार्थ खोजी श्वान जोप्लिन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के श्वान दस्ते की मादक पदार्थ खोजी श्वान जोप्लिन का आकस्मिक निधन हो गया। उनकी इस अप्रत्याशित मृत्यु से वाहिनी परिवार में गहरा शोक व्याप्त है।

अमरेन्द्र कुमार वरुण, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा, अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने श्वान जोप्लिन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी ने दो मिनट का मौन धारण कर उनके समर्पण एवं सेवाओं को नमन किया। जोप्लिन/377, जर्मन शेफर्ड नस्ल की एक कुशल मादक पदार्थ खोजी श्वान थी, जो 03 अगस्त 2017 से 62वीं वाहिनी के श्वान दस्ते में सम्मिलित होकर भारत-नेपाल सीमा चेक पोस्ट सुईयां पर लगातार अपनी सेवाएँ दे रही थी। अपनी सतर्कता, प्रशिक्षण एवं निष्ठा के कारण जोप्लिन ने सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के समस्त कार्मिक उनकी अमूल्य सेवाओं को सदैव स्मरण रखेंगे। जोप्लिन न केवल एक प्रशिक्षित श्वान थीं, बल्कि बल का गर्व और परिवार का अभिन्न हिस्सा थी। स्वान जोप्लिन की निस्वार्थ सेवाओं को हमेश याद रखा जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

The secret to crispy potato tikkis! Learn the special trick that will double the taste of your chaat.

Aloo tikki chaat available in the market is often unhealthy. But if you're craving it, what can you do? You can make aloo tikki chaat at home with a very simple recipe. This recipe will give you the exact same taste as the market-made makes your mouth water. Its delicious taste is can be unhealthy. Reused oil and dirt can chaat altogether. The simple solution is to make that will help you make aloo tikki chaat with this recipe. Ingredients Potatoes - 4-5 medium tbsp (for crispiness) Rice flour - 1 tbsp Spices - salt, red chilli powder, roasted cumin chopped Oil - for shallow frying For coriander-mint sweet tamarind chutney - roasted cumin powder, red chillies Garnish - preparation First, peel the boiled potatoes and cornflour, rice flour, green chillies, coriander If the mixture feels wet, add a little more sized balls from the mixture. Press them edges to prevent them from tearing during tikkis on the pan and fry them over medium fry them until they are deep golden on both

chaat. The mere thought of the spicy flavor of aloo tikki chaat a delight for everyone. However, commercially available chaat make you sick. But that doesn't mean you should give up on aloo tikki chaat at home. We're going to share an easy recipe ease, and it will taste just like the market-made tikki. Let's learn (boiled and completely cooled) Cornflour or arrowroot - 3-4 (optional, for extra crunch) Green chillies - 2 (finely chopped) powder, mango powder (to taste) Coriander leaves - finely garnishing the chaat - Whipped curd - 1 cup Green chutney - sweet and sour dry ginger Spices - chaat masala, black salt, sev, pomegranate seeds and some coriander leaves Method of grate them. Grating will prevent lumps in the tikkis. Now add leaves and the dry spices for the tikkis. Then knead it like dough. cornflour. Now, apply some oil to your hands and form medium- between your palms to flatten them into patties. Smooth the frying. Heat 3-4 tablespoons of oil in a non-stick pan. Place the heat. When one side is golden and crispy, flip them over and sides. To achieve a market-like taste, when the tikkis are 80% cooked, press them down with a spatula and fry them again. This will ensure they are crispy on the inside. Place two hot tikkis on a plate and break them slightly. Top with cold, sweet yogurt. Add green chutney and sweet tamarind chutney. Sprinkle a pinch of chaat masala, black salt, roasted cumin seeds, and red chili. Lastly, garnish with finely chopped sev, pomegranate seeds and green coriander and serve immediately.

Make sweet and sour amla candy at home using this unique method, and you can easily store it for months.

Are you one of those people who overlook the health treasure of amla because of its astringent taste? Do you also wish that some magic could happen and this superfood would become so delicious that you would keep eating it like both sweet and spicy flavors. Let's learn this for our health. It is a wonderful source of digestion, and is also very beneficial for hair don't worry, if you want to give amla a the best solution. It's as easy to make as it is a whole year without any hassle. Sugar: 500 grams Black salt: 1 teaspoon sugar (for coating): 2-3 tablespoons Method best to steam it instead of boiling it in water. over it. Place the cleaned Amla on the mesh, When the Amla buds start separating on amla has cooled, separate the buds with a depends entirely on the amla's ability to glass or steel container. Add 500 grams of place for 24 to 48 hours. During this time, that the sugar has completely dissolved and in syrup. Using a strainer, separate the amla

candy? If so, this recipe is for you. You can enjoy amla with easy recipe for making sweet and sour candy. Amla is a boon vitamin C, which boosts our immunity, maintains good and skin. However, its astringent taste often repels people. So, delicious twist, making sweet and sour amla candy at home is delicious and spicy. You can store it in an airtight container for Ingredients for making Amla Candy Fresh Amla: 500 grams Roasted cumin powder: 1 teaspoon (for a spicy taste) Powdered for making Amla Candy To preserve the nutrients in Amla, it's First, boil water in a vessel and place a mesh plate or steamer cover it, and steam on medium flame for about 10-15 minutes. their own or become slightly soft, turn off the gas. Once the knife or by hand and remove the seeds. The candy's flavor absorb the syrup. Place the separated amla buds in a large sugar and mix well. Cover the container and leave it in a dry mix gently with a spoon once every 12 hours. You will notice turned into syrup. Now it's time to dry the amla buds soaked buds from the syrup. Don't discard the syrup; this is a delicious amla syrup that can be mixed with water and drunk. Spread the buds out on a plate or tray. Be careful not to stick the buds together. Dry them in the sun for 2 to 3 days, or if you don't have access to sunlight, dry them under a fan for 3 to 4 days. The goal is to remove all moisture from the amla. When the amla buds are thoroughly dried and slightly hardened, this is the final step. Place the dried amla candy in a large bowl. Add black salt and roasted cumin powder and mix well. Add powdered sugar and toss gently. The sugar coating will prevent the candy from sticking together and will give it a similar taste to the market. Store the finished candy in an airtight container. Will stay stale for months - Why does this candy stay stale for a whole year? There are two main reasons: Sugar acts as a natural preservative, absorbing moisture and preventing bacteria from growing. If amla candy is thoroughly dried (that is, without moisture), it can be stored for months.

Crispy Pyazi Kebabs will double the fun of tea in winter. Prepare them quickly with this easy recipe.

Winter is the season and having something crispy and spicy to eat with hot tea is a surefire way to make the day. On these cold evenings, we often crave something quick and delicious to eat. Here's the perfect snack for Yes, this dish is so delicious again. Onions are readily kitchen, making Pyazi Kebabs and more delicious take on the of the kebab is crispy, while It takes very little time to unexpected guests or evening without delay. Ingredients for onions (finely chopped) 1/2 rice flour (rice flour will make chopped) 1 teaspoon ginger- turmeric powder 1 teaspoon seeds 1/4 teaspoon celery frying) Mix all these Remember, you don't need to contain a lot of moisture. Let the onions release their Method for Pyaazi Kebabs: shape them into small, flat or like pakodas; instead, press oil in a pan over medium heat. submerge the kebabs. Once Fry them over medium-low

your tea party: Crispy Pyazi Kebabs. that you'll want to make it again and available in almost every Indian very economical and easy. This is a new traditional onion pakora. The outside the inside is soft and full of spicy flavor. prepare, making it a great option for cravings. Let's learn its easy recipe Pyaazi Kebabs: 3-4 medium-sized cup gram flour (gram flour) 1/4 cup them crispy) 1 green chili (finely garlic paste (optional) 1/2 teaspoon coriander powder 1/2 teaspoon cumin (good for digestion) Salt to taste Oil (for ingredients thoroughly in a large bowl. add extra water, as the onions already the mixture sit for 10 minutes so that moisture and the mixture thickens. Take the mixture in your hands and round kebabs. Don't make them round them lightly to flatten them. Next, heat The oil should be enough to completely the oil is hot, slowly add the kebabs. heat. This will ensure they are cooked through and crispy. When the kebabs are golden brown and crispy, remove them from the oil. Then, place them on a tissue paper to drain off any excess oil.

After Bollywood, Hollywood is mourning, with three prominent actors saying goodbye.

Recently, legendary Hindi cinema actor Dharmendra passed away. Now, devastating news is emerging from Hollywood, where not one, but three film stars have passed away. Let's learn about these actors. These three Hollywood actors have passed away. Mourning has gripped the English film industry. Actor Dharmendra recently passed away. It seems the world has been cursed with an evil eye. Within the past month, several legends of Hindi cinema have passed away, including legendary actor Dharmendra. Now, the deaths of three legendary Hollywood actors have shaken the world. Ethan Brown, son of Hollywood's famous singer Jackson Brown, and Michael Delano, son of South Korean actor Lee-Soon-Jae, have passed away. The sudden demise of these three has cast a pall of gloom over the entertainment world. Passing of Ethan Brown, Michael Delano, and Lee-Soon-Jae The deaths of Ethan Brown, Michael Delano, and Lee-Soon-Jae are being considered a major blow to Hollywood cinema. Ethan Brown's death was confirmed on November 27th by his father, Jackson Brown. Jackson is deeply saddened by his son's passing. Meanwhile, Michael Delano was a veteran actor in Hollywood film industry. He reigned over English cinema from 1970 to 2013. Michael Delano's death was reportedly confirmed on October 20th, but the news has only recently emerged. However, his contributions to Hollywood will always be remembered. Furthermore, Lee-Soon-Jae passed away at the age of 91. He was one of South Korea's most prominent film stars. In a film career spanning six decades, Lee Soon Jae had also proved her acting prowess in Hollywood films. Lee Soon Jae passed away on November 25, marking the end of an era in South Korean cinema. Mourning in Hollywood due to the demise of three actors - The demise of three actors, Lee Soon Jae, Ethan Brown and Michael Delano, has sent a wave of grief through the Hollywood film industry. The departure of all three actors almost simultaneously from this world is like a bad dream. The families and fans of all these superstars are currently in deep grief. Many fans are paying tribute to these three on social media.

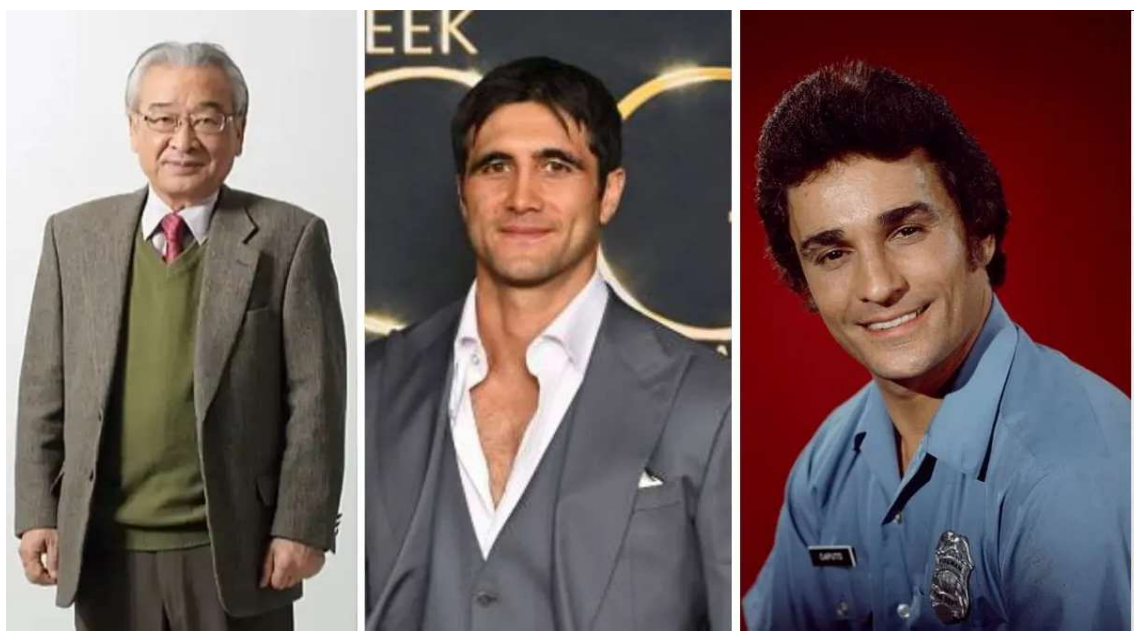

Donal Bisht is furious over the link between her name and Bigg Boss 19 fame Abhishek Bajaj, saying, "I won't tolerate it."

Famous TV actress Donal Bisht is currently being linked to Bigg Boss 19 contestant Abhishek Bajaj. Donal is furious over this and has reacted sharply on social media. Donal Bisht is a renowned TV actress. She has dismissed the rumors of an affair with Abhishek Bajaj. Donal has appeared on the Bigg Boss show. Who doesn't know Donal Bisht, one of the most famous small screen actresses? Currently, Donal's name is being linked to eliminated Bigg Boss 19 contestant Abhishek Bajaj. The actress has now issued a sharp response to this matter, dismissing the rumors of an affair with Abhishek as mere rumors. Let's find out what Donal Bisht has said. Donal expresses her anger: Rumors often spread on the internet in such a way that they seem to be true. A similar incident happened recently with TV actress Donal Bisht, on which she has now broken her silence. Donal's name has been linked to actor and Bigg Boss 19 eliminated contestant Abhishek Bajaj for the past few days. Abhishek's ex-wife, Akanksha Jindal, accused him of an extramarital affair. This led to rumors that the marriage broke down because of Abhishek's relationship with Donal. Now, Donal Bisht expressed her displeasure by sharing a story on her official Instagram handle, writing, "I was shooting out of town and was unable to attend to this matter. All I have to say is stop dragging my name into unnecessary gossip. If you don't know the truth, don't comment. Don't spread rumors, because I won't tolerate them. Legal action will be taken against anyone who falsely accuses or defames me. I'm fed up with this. I've worked hard for years to build my name." I come from a respectable family. I'm here to work, not to be a part of someone else's life drama. I'm in this industry for my love of art. Please, keep me away from all these false stories." Donal Bisht, who has appeared on Bigg Boss, is one of the most popular small screen actresses. She has also participated in Salman Khan's reality show, Bigg Boss Season 15. As a popular actress, Donal deserves a response to the link between her name and Abhishek Bajaj.

Stranger Things 5 ??creates a buzz on Netflix, public gives its verdict on Volume 1

Hollywood's most anticipated web series, Stranger Things, Season 5, began streaming online today on the OTT platform Netflix. The public has now expressed their opinion on the series' reviews on social media. Volume 1 of Season 5 won Stranger Things 5 ??released on Netflix. series on X handle. Finally, the hearts of audiences. Audiences reviewed the have been waiting for the the day has arrived for entertainment fans who highly acclaimed web series, past three years. Season 5 of Hollywood's the OTT platform Netflix. Stranger Things, has been streamed online on Vacna once again. Eleven and team are ready to face the evil force reactions on the social media Meanwhile, people have begun sharing their Things 5. So, let's find out handle X regarding Volume 1 of Stranger to say. Stranger Things 5 what ex-reviews of Stranger Things 5 ??have a tremendous craze for the ??Volume 1 Ex-Review - Fans are experiencing morning, November 27th, web series Stranger Things 5. Early this (Stranger Things 5 ??Vol 1) Volume 1 of Stranger Things Season 5 fans have already started was released on the OTT platform Netflix, and Things 5 ??on their ex- streaming it. One user tweeted about Stranger of Stranger Things Season 5, handle, writing, "Just finished the first episode user wrote, "Holy shit, I 'The Crawl'. Honestly, it was a blast." Another 5. I haven't seen anything watched the fourth episode of Stranger Things declared it the best series better in the world of web series." Another user positive reviews for Stranger ever. In this vein, numerous users are leaving Stranger Things Season 5, Things 5 ??on their ex-handle. Overall, the hearts of audiences. like its previous seasons, has managed to win with its brilliant storyline, supernatural thriller has impressed everyone heart. Volume 1: Four and the thrilling scenes will easily win your Episodes - Volume 1 of Stranger Things Season 5 contains four episodes, each lasting an hour or more. The remaining two volumes of the series will be released later. Based on this, the second part will contain three episodes, and the final